सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 358 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट, बच्चे को लगी चोट, ग्रामीणों में माओवादियों के खिलाफ रोष

बीजापुर। जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के ग्राम पीड़िया से एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां नक्सलियों द्वारा बिछाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर एक मासूम आदिवासी बालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार की दोपहर बालक जैसे ही क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी वह विस्फोट की चपेट में आ गया। यह घटना नक्सल हिंसा की अमानवीयता को दर्शाती है, जिसमें निर्दोष ग्रामीणों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। इस घटना के बाद स्थानीय आदिवासी समुदाय में नक्सलियों के विरुद्ध गहरा आक्रोश व्याप्त है। वहीं, सुरक्षा बलों के द्वारा आसपास सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है ताकि क्षेत्र को सुरक्षित किया जा सके।

पिछले कुछ महीनों में जिले के अंदुरुनी इलाको में नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोटों की घटना में कई आम नागरिकों को क्षति उठानी पड़ी है। इधर घटना के तुरंत बाद सीआरपीएफ 199 और 85 वाहिनी के सुरक्षा बलों ने तत्परता दिखाते हुए घायल बालक को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया तथा उसे बेहतर चिकित्सा के लिए जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

कटसिरा और उतरदा जलाशय योजना के कार्यों के लिए 15.99 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा कोरबा जिले की दो सिंचाई

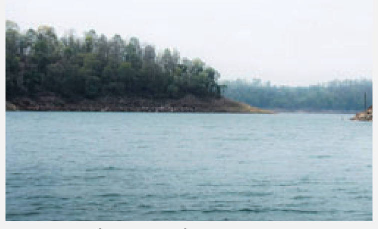

योजनाओं के कार्यों के लिए 15 करोड़ 99 लाख 41 हजार दो सौ रुपये स्वीकृत किय गये हैं। स्वीकृत सिंचाई योजना में विकासखण्ड-कटघोरा अंतर्गत कटसिरा जलाशय के कार्यों के लिए 7 करोड़ 58 लाख 33 हजार 8 सौ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। विकासखण्ड-पाली के अंतर्गत उतरदा जलाशय योजना के लिए 8 करोड़ 41 लाख 74 हजार रुपये किये गये है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजनाओं के कार्यों को पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

छत्तीसगढ़ की डेढ़ लाख महिलाओं को मिलेगा उज्ज्वला योजना के तहत फ्री एलपीजी कनेक्शन

सुशासन तिहार और नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत 1.59 लाख महिलाओं को मिलेगा योजना का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत हाल ही में देशभर की गृहणियों के लिए 25 लाख नए एलपीजी कनेक्शन स्वीकृत किए गए हैं। इसका लाभ छत्तीसगढ़ की डेढ़ लाख से ज्यादा महिलाओं को मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार और नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत 1.59 लाख पात्र माताओं-बहनों को उज्ज्वला योजना का लाभ प्राप्त होगा।यह निर्णय छत्तीसगढ़ की लाखों माताओं-बहनों के जीवन में स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य का उजाला लेकर आएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में जो उजाला फैलाया है, वह आने वाले वर्षों में पूरे समाज के विकास का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति हमेशा से परिवार और समाज की धुरी रही है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से उन्हें वह सम्मान मिला है जिसकी वे हकदार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रत्येक पात्र बहन तक इस योजना का लाभ पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। भारत सरकार के इस निर्णय से छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में जीवन की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा। ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों की महिलाएं अब प्रदूषण रहित वातावरण में जीवन जी सकेंगी।

नए कनेक्शन में पहला सिलेंडर और चूल्हा भी फ्री मिलेगा

मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने इस विस्तार के लिए 676 करोड़ रुपए मंजूर किए है। इसमें से 512.5 करोड़ रुपए से 25 लाख डिपॉजिट-फ्री कनेक्शन दिए जाएंगे। एक कनेक्शन की लागत 2,050 रुपए होगी, जिसमें सिलेंडर, रेगुलेटर, पाइप, इंस्टॉलेशन और गैस बुकलेट शामिल है। साथ ही पहला सिलेंडर और चूल्हा भी फ्री मिलेगा। यानी लाभार्थी को एलपीजी कनेक्शन, पहली रीफिल और स्टोव के लिए एक रुपया भी खर्च नहीं करना होगा।

छत्तीसगढ़ की 38 लाख महिलाएं ले रही लाभ

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में लगभग 38 लाख महिलाएं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ प्राप्त कर रही हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मई 2016 में शुरू हुई थी। शुरुआत में 8 करोड़ मुफ्त कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया था, जो 2019 में पूरा हो गया। इसके बाद अगस्त 2021 में उज्ज्वला 2.0 शुरू की गई और धीरे-धीरे लक्ष्य बढ़ाया गया। अब तक देशभर में 10.33 करोड़ से ज्यादा परिवारों को उज्ज्वला योजना का फायदा मिल चुका है। इस नए फैसले के बाद यह संख्या बढ़कर 10.58 करोड़ हो जाएगी। वहीं छत्तीसगढ़ के लाभार्थियों की संख्या में भी वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए आवेदन कैसे करें?

- उज्ज्वला योजना के ऑफिशियल पोर्टल पर जाएं।
- एप्लाई फॉर न्यू उज्ज्वला कनेक्शन पर क्लिक करें।
- अब गैस एजेंसी का नाम चुनें।
- जिस भी एजेंसी को चुना है उसके लिए रजिस्ट्रेशन करें।
- मांगी गई जानकारी भरें और रजिस्टर करें।
- रजिस्ट्रेशन के बाद मोबाइल नंबर और पासवर्ड से लॉगिन करें।
- अपना राज्य, जिला, पिन कोड, एजेंसी का नाम चुनें।
- ई- की प्रक्रिया को पूरा करें।
- अपने राशन कार्ड वगैरह की जानकारी भरें।
- परिवार के सदस्यों की जानकारी को भरें।
- कौन सा सिलेंडर लेना चाहते हैं, वो चुनें।
- बैंक अकाउंट नंबर, आईएफएसई कोड भरें।
- रेफरेंस नंबर को सेव कर फॉर्म का प्रिंट आउट निकाल लें।
- फॉर्म और सारे डॉक्यूमेंट्स के साथ एजेंसी में जाकर मिलें।
- यही प्रक्रिया एजेंसी में सीधे जाकर ऑफलाइन भी कर सकते हैं।

कैसे मिलेगा फायदा?

उज्ज्वला योजना का फायदा पाने के लिए महिला को 18 साल से ज्यादा उम्र की होना चाहिए और उसके परिवार में पहले से एलपीजी कनेक्शन नहीं होना चाहिए। आवेदन ऑनलाइन या पास के एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के यहां केवाईसी और जरूरी दस्तावेज देकर किया जा सकता है। सरकार और ऑयल मार्केटिंग कंपनियां पूरी प्रक्रिया को टेक्नोलॉजी के जरिए मॉनिटर करती हैं ताकि किसी को गलत फायदा न मिले।

खैरागढ़ में धारदार हथियार से पति-पत्नी की हत्या: पत्नी की लाश आंगन में, पति का शव कमरे में लहूलुहान मिला

- **गंडई थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने पड़ोसी को किया गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में शुक्रवार को सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक दंपति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पति-पत्नी की लाशें घर पर कमरे में खून से लथपथ मिली है। जिले के गंडई क्षेत्र की यह घटना है। फिलहाल पुलिस ने घर पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में ले लिया और आगे की जांच शुरू कर पड़ोसी को इस मामले में हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले गंडई थाना क्षेत्र में अररिया गांव निवासी बाबूलाल शोरी (55) और उनकी पत्नी सुनती बाई शोरी (51) की हत्या कर दी गई। धारदार हथियार से दोनों की हत्या की गई। घटना शुक्रवार की सुबह 4 से 5 बजे के बीच की बताई जा रही है। सुबह पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी राजेश देवदास ने बताया कि दोनों की हत्या धारदार हथियार से की गई है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पड़ोसी भगवती गोंड (35) को हिरासत में ले लिया है। आरोपी मृतक दंपती के घर के सामने ही रहता था।

हत्या की वजह नहीं हो पाई स्पष्ट, जांच जारी

शुरुआती जांच में हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस आपसी रंजिश और अन्य संभावित एंगल को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। थाना प्रभारी राजेश देवदास ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और हत्या में इस्तेमाल हथियार की तलाश की जा रही है। गांव में मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। डबल मर्डर की इस घटना से गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने हत्या के इस मामले में पुलिस से सख्त और जल्द कार्रवाई की मांग की है।

अयोध्या में भीषण विस्फोट से ढहा मकान, मलबे में दबकर घर के 5 लोगों की मौत, सीएम योगी ने अफसरों को किया ऐक्टिव

- **गैस सिलिंडर में विस्फोट की वजह से हुआ हादसा**

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक घर में ब्लास्ट होने से 5 लोगों की मौत हो गई है। यहां के मकान में हुए विस्फोट का सीएम योगी ने संज्ञान लिया है। सीएम योगी ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंची पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह हादसा गैस सिलिंडर में विस्फोट की वजह से हुआ है। अयोध्या के ष्टह्र देवेश चतुर्वेदी ने भी घर में घरेलू गैस सिलेंडर फटने से हादसा होने की आशंका जाहिर की है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। 5 लोगों की मौत हो चुकी है। बाकी घायलों को

तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसपी अयोध्या ने इस मामले में जानकारी देते हुए कहा- पूराकलंदर थाना के अंतर्गत गांव में शाम करीब सवा सात बजे इस हादसे की सूचना मिली। यह मकान पप्पू गुप्ता नामक शख्स का था, जो पहले गांव में रहता था लेकिन पिछले एक-दो साल से बाहर की तरफ खेत के बीच में मकान बनाकर रहता था। किचन की छत उड़ी है और काफी संख्या में बर्तन बिखरे पड़े हैं। अभी मलबे को हटाकर सर्च किया जा रहा है।

यह हादसा पूराकलंदर इलाके के पगला भारी गांव में हुआ। जानकारी के अनुसार धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों और दुकानों में भी नुकसान होने की खबर है। रेस्क्यू टीम फौरन मौके पर पहुंच कर मलबे में फंसे लोगों को निकालने में जुटी है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की गहन जांच शुरू कर दी है। मृतकों में 3 बच्चे होने की खबर है। इस धमाके से पूरा मकान जमींदोज हो गया। और घर का मलब दूर तक बिखर गया। विस्फोट की गूंज काफी दूर तक लोगों को सुनाई दी। गौरतलब है कि अयोध्या के बीकापुर क्षेत्र में चार दिन पहले ही एक धमाका हुआ था, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई थी।

इसलिए कभी-कभी लगता है सनातन से डर

श्रीकंचनपथ

सनातन व्यवस्था क्या थी, अब तो शायद ही किसी को ठीक-ठीक याद हो पर सनातन के नाम पर जो रायता फैलाया जा रहा है, इसकी चपेट में सभी हैं। व्हाट्सअप यूनिवर्सिटी की लिखा-पढ़ी को छोड़ दें तो सभी ने अपने बाप-दादा, दादी-नानी से इसके किस्से सुने होंगे। अगर बचपन में कभी गांव गए होंगे तो वहां अपनी आंखों से भी देखा होगा। उन्हें भी बताया गया होगा कि किन लोगों के घर जाना है और किन लोगों के नहीं। उन्होंने देखा होगा कि कुछ जाति के लोग दरवाजे के बाहर से ही आवाज देते थे। घर के लोग वहीं जाकर उन्हें काम बता देते थे। कुछ लोग जो आंगन तक आ सकते थे उन्हें खड़े-खड़े या जमीन पर बैठकर ही अपनी बात रखनी होती थी। आज भी जब देश 21वीं सदी में प्रवेश कर गया है तो जातिगत आधार पर लोग टशन में रहते हैं। कोई अपनी मूंछें खड़ी करके बात करता है तो कोई चेहरे को यथा संभव गंभीर बनाकर शास्त्रों का हवाला देता है। इन सभी घटनाओं और अनुभवों का सार यह है कि कुछ लोग केवल इसलिए बुद्धिमान या शक्तिमान मान लिये जाते हैं कि उन लोगों ने किसी खास जाति में जन्म लिया है। अनपढ़ या कम पढ़े लिखे लोगों में इस तरह की धारणा या भावना हो तो बात समझ में भी आती है पर जब उच्च शिक्षित और उच्च पदस्थ लोग भी इसी तरह का व्यवहार करने लगें तो डर लगता है। इनके चाल चरित्र की कुटिलता डराती है। हरियाणा में इस मानसिकता के खिलाफ अब लोग खुलकर बातें करने लगे हैं। एक आईपीएस अफसर की खुदकुशी के बाद यह मामला वैश्विक पटल पर आ गया है। आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार ने अपने सुसाइड नोट में 15 सीनियर अफसरों का जिक्र किया है। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने तमाम प्रोटोकॉल को शिथिल करते हुए उन्हें प्रताड़ित किया। उनकी मौत के बाद अनुसूचित और पिछड़ी जाति से आने वाले प्रशासनिक अधिकारियों ने मोर्चा खोल दिया है। इन लोगों ने बताया है कि किस तरह एक ही तरह के मामलों में इन वर्गों से आने वाले अफसरों के लिए अलग मापदण्ड अपनाए जाते हैं। इन अफसरों ने अनेक मामलों का उल्लेख करते हुए अपनी बात रखी है। अफसरों ने बताया कि इन वर्गों से आने वाले अधिकारी भय में जी रहे हैं और अपना काम भी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। पिछले लगभग एक दशक में यह प्रक्रिया तेज हुई है। इस संदर्भ में देश को जो फैसला लेना होगा, वह तो लेगा ही, पर दुनिया में जो संकेत जा रहा है, उसका कैसा उपयोग होगा, यह भविष्य ही तय करेगा। हमारी टूटी-फुटी सभ्यता और आपसी खींचतान का एक विस्तृत नक्शा अब उनके पास है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि हमारी इसी खींचतान और अंतरविरोध का फायदा उठाकर मुट्ठी भर लोगों ने हम पर सैकड़ों वर्षों तक राज किया।

Head Office : Bhagat Singh Chowk, Civil Line, Shankar Nagar, Raipur, Chhattisgarh | Branch : Shop no 12, Near Railway Line, Akashganga, Supela, Bhilai, Chhattisgarh

संपादकीय

काम करने वालों को मिलता है ऐसा मौका

हर क्षेत्र में बेहतर काम करने वालों को जनता पसंद करती है, उन पर गर्व करती है,उन पर भरोसा करती है, उनको बार बार सेवा व काम करने का मौका देती है। राजनीति में ऐसे बहुत कम नेता हुए हैं जिनकों जनता ने बार बार लंबे समय तक देश व जनता की सेवा करने का मौका दिया है। ऐसे नेता संख्या में कम होते हैं लेकिन होते है बाकी नेताओं के लिए मिसाल की तरह। ऐसे नेताओं में कई ऐसे सीएम हुए हैं जिनको जनता ने लंबे समय तक किसी प्रदेश व जनता की सेवा की सेवा करने का मौका दिया है। ऐसे नेताओं में सिक्किम के सीएम पहले नंबर पर है,वह 24 साल तक सिक्किम के सीएम रहे। दूसरे हैं ज्योति बसु वह पं. बंगाल के सीएम 23 साल तक रहे।तीसरे गेगांग अपांग वह 19 साल अरुणाचल के सीएम रहे।चौथे हैं माणिक सरकार वह 19 साल तक त्रिपुरा के सीएम रहे। पांचवें हैं नवीन पटनायक वह 19 साल तक ओडिशा के सीएम रहे। छठे मोहन लाल सुखाडिया वह 17 साल तक राजस्थान के सीएम रहे। हमारे छग में रमन सिह 15 साल तक सीएम रहे।

> *ज्यादा समय तक सत्ता शिखर पर रहने वालों में पीएम नरेंद्र मोदी का एक अलग ही स्थान है क्योंकि वह अकेले ऐसे नेता हैं जो निरंतर 24 साल से सत्ता शिखर पर हैं और अब उनका 25 साल शुरू हो गया है। वह बेदाग है, ईमानदार हैं, जितने ईमानदार सीएम रहने पर थे, उतने ही ईमानदार पीएम रहने पर भी है। आज के दौर मे जब कोई एक मंत्री बनता है तो वह अपने लिए, परिवार के लिए और पार्टी के लिए पैसा बनाने का लोभ छोड़ नहीं पाता है। ऐसे लोग खुद मौका मिलता है तो भ्रष्ट हो जाते हैं और दोष सत्ता को देते हैं कि सत्ता लोगों को भ्रष्ट कर देती है। सत्ता ईमानदार आदमी को भ्रष्ट कर देती है, ऐसे लोग यह तो नहीं कह सकते कि हमको भ्रष्ट होने का मौका मिला तो हम भ्रष्ट हो गए। पैसा कमाना का मौका मिला तो पैसा कमा लिया। बहती गंगा में हाथ धोने का मौका मिला हाथ धो लिया।*

पीएम मोदी देश के सत्ता शिखर पर लंबे समय तक रहने वालों में सबसे अलग इसलिए हैं कि वह सीएम लंबे सयम तक रहे उसके बाद दस साल से पीएम हैं और तीसरी बार पीएम बने हैं यानी अगले पांच साल पीएम रहेंगे। दूसरे नेता जहां सीएम रहे वहीं पीएम मोदी सीएम रहने के बाद पीएम भी हैं। कई बार ऐसा होता है कि आदमी को छोटे पद से बड़ा पद मिलता है तो वह खुद को पद के योग्य साबित नहीं कर पाता है, पीएम मोदी इस मामले में इसलिए अनोखे हैं कि सीएम के रूप मे उन्होंने गुजरात को विकसित राज्य बनाया तो पीएम के रूप में वह देश को विकसित देश बनाने के लिए दस साल से काम कर रहे हैं। लोग मानते हैं कि उन्होंने गुजरात का विकास करके दिखाया है तो देश को विकास भी वह करके दिखाएंगे। आने वाले समय में जब देश विकसित देश बनेगा तो जनता इसका श्रेय पीएम मोदी को भी देगी।

आरएसएस ने अपने जन्म समय से जनसंघ को कांग्रेस का विकल्प बनाने का सपना देखा लेकिन आरएसएस जनसंघ को कभी कांग्रेस का विकल्प नहीं बना सका। 1980 में भाजपा का गठन होने के बाद उसने भाजपा को कांग्रेस का विकल्प बनाने का सपना देखा लेकिन भाजपा में ऐसे नेता तो थे जो दूसरे दलों के सहयोग से सरकार बना सकते थे लेकिन ऐसा कोई नेता नहीं था जो भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बना सके। भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार ही सही मायने में जनता के लिए कांग्रेस का मजबूत विकल्प हो सकती थी। आरएसएस का यह सपना पीएम मोदी ने पूरा किया। ऐसे लोग बहुत कम होते हैं जो अपने मातृ संगठन का सपना पूरा करने वाले होते हैं। पीएम मोदी ऐसे ही नेता है, उन्होंने 2014 में पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर आरएसएस का सपना पूरा किया। इसके बाद पांच साल अच्छा काम किया तो जनता ने उसे और भी बड़ा बहुमत दिया और बाकी दलों को संदेश दिया कि वह देश व जनता के लिए काम करनेवाले नेता पर ही भरोसा करती है।

पीएम मोदी इस साल 75 साल के हो गए हैं। वह आज भी शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ है, फिर भी कुछ लोग जो पीएम मोदी के रहते चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं।वह सोचते थे कि 75 साल के होने पर संघ मोदी को रिटायर कर देगा। लेकिन उनको बहुत निराशा हुई है क्योंकि संघ के सरसंघ चालक ने तो साफकर दिया है कि वह न तो 75 का होने पर खुद रिटायर हो रहे हैं और न ही किसी को रिटायर होने के लिए कहने वाले हैं। पीएम मोदी चाहे सीएम रहे हो वह एक भी चुनाव न तो खुद हारे हैं न ही पार्टी हारी है। इसी तरह वह जब से पीएम हैं वह न तो खुद चुनाव हारे हैं और न भाजपा लोकसभा का चुनाव हारी है। वह दूसरे नेताओं से बहुत अलग इसलिए भी हैं कि वह ईमानदार हैं, वह कभी छुट्टी नहीं लेते हैं, देश व जनता के लिए निरंतर काम करते हैं, इसलिए जनता उन पर भरोसा करती है और चुनाव मे जिताती भी हैं। वह अपराजेय है तो इसीलिए कि वह दूसरे नेताओं की तरह नहीं है, वह दूसरे नेताओं से अलग है। इसीलिए यह उम्मीद की जा सकती है कि वह सत्ता शिखर में रहने का नया रिकार्ड बनाएंगे। सचिन तेंदुलकर को देश के लोग उनके खेल के कारण गॉड ऑफ क्रिकेट कहते है तो पीएम मोदी ने राजनीति के खेल में ऐसा खेल खेला है कि आने वाले दिनों में लोग गॉड आफपालिटिक्स कहें तो आश्चर्य नहीं होगा।

रानी दुर्गावती: नारी शक्ति की वह मशाल, जो सदियों से जलती आ रही है

सावित्री ठाकुर, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार

भारत के मंत्रालयों, नीतियों और प्रमुख कार्यक्रमों की कल्पना से भी सदियों पहले, गोंड साम्राज्य की एक आदिवासी युवा रानी अग्रिम मोर्चे पर खड़ी रही — जिसने आत्मसमर्पण के बजाय सम्मान, साहस और कर्तव्य का मार्ग चुना। भारत में वीरता और पराक्रम की प्रतीक के रूप में याद की जाने वाली रानी दुर्गावती आज भी सार्वजनिक जीवन, व्यवसाय, विज्ञान और नागरिक सेवाओं को नई दिशा देने वाली महिलाओं को प्रेरित कर रही हैं। उनकी 501वीं जयंती के अवसर पर, हम उस गाथा और उन मूल्यों को याद करते हैं, जो 16वीं शताब्दी के युद्धक्षेत्रों से लेकर आधुनिक भारत की नीतियों तक एक सतत प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

साहस की प्रतिमा

रानी दुर्गावती का जीवन एक किंवदंती इसलिए बना, क्योंकि उन्होंने इतिहास में निष्क्रिय पात्र बनकर रहने से इनकार कर दिया। आक्रमणकारी मुगल शक्तियों का सामना करते हुए उन्होंने अपने राज्य और प्रजा की रक्षा का दायित्व अपने कंधों पर लिया। एक ऐसी महिला, जिसने नेतृत्व किया, निर्णय लिए और अंतत: बलिदान दिया — रानी दुर्गावती ने स्वयं को एक क्षेत्रीय शासक से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में स्थापित किया। आज, चाहे उन्हें लोककथाओं, स्मारकों या मध्य भारत की संस्कृति में याद किया जाए, वे इस सत्य की जीवंत मिसाल हैं कि नेतृत्व किसी एक लिंग की सीमाओं में नहीं बँधता।

प्रतीक से नीति तक: भारत इस कर्तव्य का निर्वहन करता है

आधुनिक भारत में महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण की जो संरचना आज दिखाई देती है — जिसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और संबद्ध विभागों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है — वह उसी कर्तव्य भावना और सार्वजनिक उत्तरदायित्व से प्रेरित है, जिसका उदाहरण रानी दुर्गावती ने अपने जीवन में प्रस्तुत किया था। जिस प्रकार रानी ने अपने समय में राज्य और प्रजा की रक्षा का दायित्व निभाया, उसी प्रकार आज की सरकार विभिन्न मोर्चों पर महिलाओं के अधिकारों, अवसरों और समान भागीदारी की रक्षा और विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा और सामाजिक समरूपता

लड़कियों की शिक्षा में सुधार और लैंगिक अंतर को कम करने के उद्देश्य से लागू किए गए कार्यक्रम आज समाज की नींव को मजबूत कर रहे हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण और उद्यमिता

कौशल विकास पहलों से लेकर ऋण और बाजार तक पहुँच प्रदान करने वाली योजनाएँ महिलाओं को उद्योग और व्यवसाय के क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम बना रही हैं। ये प्रयास आधुनिक शासन और निर्णय-निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं।

सुरक्षा और कानूनी संरक्षण

वन स्टॉप सेंटर और विभिन्न हेल्पलाइन सेवाएँ महिलाओं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और नागरिक भागीदारी सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। इन पहलों ने यह सिद्ध किया है कि भय या असुरक्षा किसी महिला की प्रगति और आवाज को सीमित नहीं कर सकती।

स्वास्थ्य और मातृ देखभाल

मातृ स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाएँ केवल स्वास्थ्य सेवा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे महिलाओं के समग्र कल्याण का प्रतीक हैं। ये प्रयास महिलाओं को स्वस्थ, आत्मविश्वासी और नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए सशक्त करते हैं।

जमीनी स्तर पर शासन और प्रतिनिधित्व

पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की पहलें लोकतांत्रिक शासन को और समावेशी बना रही हैं। यह उसी राजनीतिक दूरदर्शिता की झलक है, जो रानी दुर्गावती ने अपने राज्य के संचालन में प्रदर्शित की थी।

जीवन और उपलब्धियों में मापी गई प्रगति

पिछले कुछ दशक उल्लेखनीय प्रगति के साक्षी रहे हैं – महिला साक्षरता और कार्यबल में भागीदारी में वृद्धि, निर्वाचित पदों पर महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति, उद्यमिता में तेजी से उभार, और सुरक्षा एवं समान अवसरों के प्रति समाज की बढ़ती संवेदनशीलता ने भारत को एक नई दिशा दी है। ये बदलाव केवल आँकड़े भर नहीं हैं; ये उसी सिद्धांत की आधुनिक अभिव्यक्तियाँ हैं जो रानी दुर्गावती के जीवन ने सिखाया था कि जब महिलाएँ हर परिस्थिति के लिए सुसज्जित और सशक्त होती हैं, तो वे समाज को नया आकार देती हैं।

रानी दुर्गावती की विरासत एक आधारशिला

रानी दुर्गावती के उदाहरण को विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण बनाता है उनका दोहरा स्वरूप – नैतिक और व्यावहारिक। नैतिक स्तर पर वे गरिमा, साहस और ज़िम्मेदारी की प्रतीक हैं, जबकि व्यावहारिक स्तर पर उनका जीवन महिलाओं को निर्णयकर्ता और लोककल्याण की रक्षक के रूप में स्थापित करता है। यह दोहरी विरासत पीढ़ियों से भारत की नागरिक चेतना का हिस्सा रही है और इसी ने महिला सशक्तिकरण की नीतियों और पहलों को समाज में गहरी जड़ें जमाने में सहायता की है।

विकसित भारत के लिए नया दृष्टिकोण

जैसे-जैसे देश विकसित भारत बनने की दिशा में अग्रसर है, उसे विकास को महिलाओं की भागीदारी के पैमाने और समानता के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। महिला-केंद्रित विकसित भारत में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी को विकास के लिए एक अतिरिक्त साधन नहीं, बल्कि विकास का मुख्य सूचक माना जाएगा। व्यावहारिक रूप से इसका अर्थ है कि देश की प्रगति को केवल प्रमुख कल्याण संकेतकों से नहीं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों – बोर्ड, लोक सेवा और सामुदायिक संस्थानों में महिलाओं के नेतृत्व और सक्रिय भागीदारी से भी मापा जाएगा।

इस प्रकार, उन नीतियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जो अवैतनिक देखभाल – जैसे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की देखभाल और सामुदायिक सहायता – के बोझ को कम करें, ताकि महिलाओं के पास सार्वजनिक और आर्थिक क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए पर्याप्त समय और अवसर उपलब्ध हो।

इस प्रकार, अतीत के साहस को भविष्य की संभावनाओं से जोड़ते हुए, रानी दुर्गावती की कहानी केवल एक धरोहर नहीं है, बल्कि इस बात का जीवंत प्रमाण है कि भारत क्या बन सकता है। उनका साहस यह संदेश देता है कि महिलाओं को सार्वजनिक जीवन और भविष्य को आकार देने का समान अधिकार है। आज, भारत के मंत्रालयों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों का दायित्व है कि वे उस अधिकार को- स्कूलों और अस्पतालों के माध्यम से, कानूनों और आजीविकाओं के माध्यम से, सुरक्षित सड़कों और समान बोर्डों के माध्यम से – रोज़मर्रा की वास्तविकता में बदलें। यदि विकसित भारत की नब्ज उसकी महिलाओं की शक्ति से मापी जाती है, तो रानी दुर्गावती को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि वह शक्ति हर महिला तक पहुँचाई जाए।

अंतत:, रानी की सबसे महान विरासत कोई पत्थर का स्मारक नहीं, बल्कि ऐसा राष्ट्र है जहाँ लाखों महिलाएं जीवन के हर मंच से – चाहे वह घर हो, बाजार हो, विज्ञान हो या शासन – नेतृत्व करें। वे 21वीं सदी में साहस और नेतृत्व की परंपरा को आगे बढ़ाएं।

सेमवती सिंह : आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की नई मिसाल

स्व-सहायता समूह से जुड़कर गाँव में बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाने वाली प्रेरणादायी महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के ग्राम कछौड़ की रहने वाली सेमवती सिंह आज महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण की जीती-जागती मिसाल बन चुकी हैं। एक साधारण ग्रामीण महिला से लेकर बैंकिंग सेवाएँ गाँव-गाँव पहुँचाने वाली बीसी सखी बनने तक की उनकी यात्रा बेहद प्रेरणादायी है।

बचत से शुरू हुई नई राह

वर्ष 2017 में सेमवती ने जय माँ जगदम्बा महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी नई शुरुआत की। उनका उद्देश्य था दृ छोटी-छोटी बचतों को जोड़कर परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना और आगे कुछ बड़ा करना। समूह की बैठकों में उनकी सक्रियता, मेहनत और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें बैंक सखी के रूप में चयनित किया गया। दस दिन का विशेष प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें ग्राम संगठन से 68 हजार रुपये का ऋण मिला। इस राशि से उन्होंने लैपटॉप और प्रिंटर खरीदा और डिजिटल सेवाओं की शुरुआत की।

तकनीक और सेवा से बढ़ी पहुंच

सेमवती का काम धीरे-धीरे गाँव में फैलने लगा। उनकी बढ़ती सेवाओं को देखते हुए उन्हें माइक्रो एटीएम भी उपलब्ध कराया गया। आज उनके माध्यम से हर माह लगभग 500 लेनदेन संपन्न होते हैं, जिनसे उन्हें 5 से 6 हजार रुपये की मासिक आय हो जाती है। उन्होंने अपनी इस आय को आगे बढ़ाते हुए एक किराना दुकान भी खोली, जिससे उन्हें लगभग 15 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होती है। इस तरह उनकी कुल मासिक आय अब 20 हजार रुपये तक पहुँच चुकी है।

बीसी सखी बनकर गाँववासियों को मिली सुविधा

वर्ष 2018 में सेमवती छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की बीसी सखी बनीं। इस भूमिका में उन्होंने अपने गाँव के लोगों को घर-घर जाकर बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराना शुरू किया। अब ग्रामीणों को खाता खोलने, राशि जमा और निकासी के लिए दूर-दराज बैंक शाखा तक नहीं जाना पड़ता। उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी योजनाओं से सैकड़ों ग्रामीणों को जोड़ा। पिछले पाँच वर्षों में सेमवती ने लाखों रुपये के लेनदेन किए और लोगों के बीच भरोसेमंद बैंकिंग प्रतिनिधि के रूप में पहचान बनाई।

चुनौतियाँ और सफलता

सेमवती बताती हैं कि शुरुआत में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। गाँव के लोग डिजिटल सेवाओं को लेकर संकोच करते थे, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने विश्वास कायम किया। धैर्य, मेहनत और ईमानदारी ने उन्हें न सिर्फ सम्मान दिलाया, बल्कि परिवार और समाज में उनकी स्थिति को भी मजबूत बनाया।

भविष्य की योजना और प्रेरणा

सेमवती का सपना है कि वह अपनी सेवाओं को और अधिक गाँवों तक पहुँचाएँ और अधिक से अधिक महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाएँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की योजनाओं का आभार व्यक्त करते हुए वह कहती हैं कि इन योजनाओं ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नया आत्मविश्वास जगाया है। आज सेमवती सिंह न केवल अपने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत और आदर्श बन गई हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि यदि दृढ़ संकल्प और सही अवसर मिले, तो कोई भी महिला आत्मनिर्भर बन सकती है और समाज में बदलाव की नई राह खोल सकती है।

करवा चौथ

"सुषमा के स्नेहिल सृजन"

छंद-दोहा

गजानंद प्रथमेश जी, देना प्रभु वरदान।
सदा सुहागिन मैं रहूँ, मिले मान-सम्मान।।
शिव-गौरी पूजन करूँ, मन में भर उल्लास।
करक चतुर्थी पर्व में, निराहार उपवास।।
ओढ़ चुनरिया प्रीत की, कर सोलह श्रृंगार।
'सुषमा' पूजन को चली, आज शिवालय द्वार।।
हिना हाथ में सज गई, पाँव महावर लाल।
बालों में गजरा सजे, लट चूमे हैं गाल।।
मंगलमय जीवन बनें, संग सदा मनमीत।
छम-छम पायल बज उठी, रुनझुन गाती गीत।।
सुख समृद्धि शुभ कामना, 'सुषमा' सुंदर आस।
पावन व्रत है निर्जला, पूजन में विश्वास।।
धड़कन में प्रिय प्रेम है, प्रेमिल हृदय उदार।
प्रेम समर्पण भावना, बढ़े निरंतर प्यार।।
माँग सदा लाली रहे, शुभ सोलह श्रृंगार।
गठबंधन का बंध यह, रचे सुखद संसार।।

सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर छग)

ई-ऑफिस से डिजिटल सुशासन की ओर कदम, महासमुंद जिले में प्रशासनिक कामकाज हुआ समयबद्ध और पारदर्शी

पोषण कुमार साहू, सहायक संचालक

ई-ऑफिस से डिजिटल सुशासन की ओर कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल इंडिया क्रांति और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन एवं पारदर्शिता के संकल्प की दिशा में महासमुंद जिला प्रशासन तेजी से आगे बढ़ रहा है। शासन की प्राथमिकता के अनुरूप ई-ऑफिस प्रणाली अब जिले के लगभग सभी विभागों में गति पकड़ चुकी है। परंपरागत कागजी फाइलों की जगह अब अधिकांश कार्य ऑनलाइन ई-ऑफिस माध्यम से किए जा रहे हैं। जिले में 1366 अधिकारी-कर्मचारियों का ई-ऑफिस के लिए ऑनबोर्डिंग कर लिया गया है। अभी तक कार्यालय द्वारा ई-ऑफिस पत्राचार के माध्यम से लगभग 2 हजार से अधिक फाइल मूवमेंट हुआ है।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट कार्यालय का अधिकांश कामकाज अब ई-ऑफिस प्रणाली से संचालित हो रहा है। उन्होंने हाल ही में आयोजित विभागीय बैठकों में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी शासकीय पत्राचार, रूटीन फाइलें और वित्तीय स्वीकृतियाँ अब ई-ऑफिस पर ही तैयार और प्रेषित की जाएं। यहां तक कि छोटी-छोटी नोट शीट्स भी अब डिजिटल माध्यम पर ही दर्ज की जा रही हैं।

कलेक्टर ने कहा कि यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्य संस्कृति में सुधार का प्रतीक है। इससे न केवल फाइल मूवमेंट तेज होगा, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। ई-ऑफिस प्रणाली से अब फाइलों की ऑनलाइन ट्रैकिंग संभव हो गई है। इससे यह स्पष्ट रहेगा कि फाइल किस अधिकारी के पास लंबित है और कितने समय से। कलेक्टर लंगेह का कहना है कि ई-ऑफिस शासन की पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासनिक व्यवस्था का आधार है अब अनावश्यक विलंब नहीं होगा और कार्य की समय-सीमा स्वत: तय होगी। कलेक्टर द्वारा प्रत्येक सप्ताह समय सीमा की बैठक में समीक्षा कर सभी विभागों से समरी रिपोर्ट ली जाती है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि अब तक कितनी फाइलें ई-ऑफिस के माध्यम से प्राप्त हुई हैं और किस विभाग में इसका अधिकतम क्रियान्वयन हुआ है।

ई-ऑफिस के सुचारु संचालन के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी फाइल निर्माण, नोटशीट लेखन और दस्तावेज अपलोडिंग की प्रक्रिया में दक्ष हो चुके हैं। यदि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आती है तो तुरंत एनआईसी और तकनीकी टीम के सहयोग से उसका समाधान किया जा रहा है। अधिकारी-कर्मचारियों के लिए तीन बार प्रशिक्षण आयोजित किए जा चुके हैं। शासन की मंशा है कि भविष्य में संपूर्ण पत्राचार केवल ई-ऑफिस माध्यम से किया जाए। यह कदम परंपरागत कार्यशैली से हटकर डिजिटल, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। इससे समय की बचत, कार्यों में तेजी और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो रहा है। अब तक जिले के सभी विभागों के ई-ऑफिस आईडी बन चुके हैं और इनके माध्यम से निरंतर पत्राचार किया जा रहा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

एलिवेटिंग एक्जीक्यूटिव प्रेजेंस फॉर स्ट्रैटेजिक लीडरशिप विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भिलाई। एलिवेटिंग एक्जीक्यूटिव प्रेजेंस फॉर स्ट्रैटेजिक लीडरशिप विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 एवं 8 अक्टूबर 2025 को भिलाई प्रबंधन विकास केंद्र में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ अधिकारियों में नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करना तथा कार्यकुशलता, रणनीतिक सोच और प्रभावी संवाद कौशल का विकास करना था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तात्कालीन मुख्य महाप्रबंधक अनुप कुमार दत्त रहे। उद्घाटन सत्र की शुरुआत महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय के स्वागत उद्बोधन से हुई, जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्य तथा अपेक्षित परिणामों की रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि अनुप कुमार दत्त ने नेतृत्व में उपस्थिति, संयम और आत्मविश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्चा नेता वही है जो टीम में विश्वास जगाता है और संगठन की दृष्टि को ईमानदारी और स्पष्टता से आगे बढ़ाता है। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों का संचालन पूर्व निदेशक , एससीआई एवं पूर्व कार्यपालक निदेशक, एस. पी. एस. जग्गी सेल द्वारा किया गया। श्री जग्गी ने अपने अनुभव के आधार पर ग्रेविटास, कम्युनिकेशन और अपीयरेंस जैसे कार्यकारी उपस्थिति के स्तंभों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता, व्यक्तिगत छवि निर्माण और रणनीतिक नेटवर्किंग कैसे एक नेता की विश्वसनीयता और प्रभाव को बढ़ाते हैं।

आयुक्त ने किए निर्माण कार्यों का निरीक्षण, अवैध रूप से संचालित गैस एजेंसी को हटाए

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 04 शिवाजी नगर अंतर्गत श्रीराम चौक क्रिकेट मैदान, बीएसपी स्कूल, बालाजी नगर नाला, पानी टंकी आब खुर्सीपार मिनी स्टेडियम सहित इंडोर स्टेडियम का आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निरीक्षण किए। निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा खुर्सीपार श्रीराम चौक क्रिकेट मैदान का निरीक्षण किया गया। मैदान के बाहर पेवर ब्लाक व्यवस्थित करवाने सहायक अभियंता प्रिया करसे को निर्देशित किए साथ ही सड़क किनारे शोभायमान पौधो का रोपण करने उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को निर्देशित किये हैं । बीएसपी गर्ल्स स्कूल का अवलोकन कर स्कूल परिसर मैदान का समतलीकरण करते हुए सौंदर्यीकरण करने निर्देशित किए हैं। लाइटिंग की सुविधाओं को दुरुस्त करने कहा गया है ताकि रात्रि में भी लोगों का वॉकिंग एवं व्यायाम हो सके। निगम आयुक्त ने मिलिट्री, पैरामिलिट्री एवं पुलिस की तैयारी करने हेतु इस मैदान को उपयुक्त बताया। लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक एवं रनिंग हेतु सुविधाओं की उपलब्धता के लिए जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे को निर्देशित किए हैं। समीपस्थ अमृत मिशन से निर्माणाधीन उच्च स्तरीय क्षमता वाले पानी टंकी का अवलोकन किये ।

ग्रामीणों को अब पंचायत स्तर पर ही मिलेंगी बैंकिंग व डिजिटल सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। डिजिटल इंडिया मिशन के तहत ग्रामीण नागरिकों को उनके अपने पंचायत स्तर पर ही बैंकिंग व शासकीय सेवाएँ सुलभ कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के संचालन हेतु जिला स्तरीय त्रिस्तरीय अनुबंध निष्पादन कार्यक्रम आज 09 अक्टूबर 2025 को जिला पंचायत सभा कक्ष, दुर्ग में आयोजित किया गया।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, उपाध्यक्ष पवन शर्मा, सभापति जितेन्द्र यादव, सदस्य नीलम राजेश चंद्राकर, प्रिया साहू, श्रद्धा साहू एवं कल्पना नारद साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में निवासरत नागरिकों को ग्राम पंचायत स्तर पर ही डिजिटल, बैंकिंग एवं शासकीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित कराना है, जिससे उन्हें शहरी क्षेत्रों तक जाने की आवश्यकता न पड़े और समय व संसाधनों की बचत हो सके।

कार्यक्रम की प्रमुख बातें

कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत धमधा, अछोटी, बिरेभाट, बोरसी, दुर्ग, अंडा, बासीन, चिखली, डुमरडीह, हनोदा, पउवारा, रवेलीडीह और सिरसाखुर्द में त्रिस्तरीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह अनुबंध जिला प्रशासन, ग्राम पंचायत, और कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा अधिकृत वीएलई के मध्य संपन्न हुआ।

अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों में उपलब्ध सेवाएं

1. बैंकिंग सेवाएँ: खाता खोलना, नकद जमा, निकासी, बैलेंस जांच आदि
2. प्रमाण पत्र सेवाएँ: आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र का निर्गमन
3. शासकीय योजनाओं में आवेदन: मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि में ऑनलाइन आवेदन सुविधा
4. अन्य डिजिटल सेवाएँ: आधार लिंकिंग, पैन कार्ड, बीमा, बिजली बिल भुगतान सहित ष्टस्ष्ट द्वारा प्रदत्त अन्य नागरिक सेवाएँ

ग्राम पंचायत की भूमिका

- सीएससी वीएलई हेतु पंचायत कार्यालय में बैठक व्यवस्था उपलब्ध कराना।
- सेवाओं के संचालन हेतु विद्युत कनेक्शन और बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित करना।
- सेवा शुल्क से अधिक वसूली या शिकायत की स्थिति में तत्काल जांच और कार्रवाई करना।

गांवों में डिजिटल भारत की दिशा में बड़ा कदम

इस पहल के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत कार्यालय को डिजिटल सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण नागरिकों को उनके निकटतम स्तर पर ही सभी प्रकार की ऑनलाइन सेवाएँ उपलब्ध होंगी। यह न केवल प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और गति लाएगा, बल्कि ग्रामीणों को डिजिटल इंडिया मिशन से सीधे जोड़ने की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध होगा। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, सीएससी प्रतिनिधि, सरपंचगण, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने इस अवसर पर कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीणों को बैंक, कार्यालय या शहरों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। ग्राम पंचायत ही अब उनकी डिजिटल सशक्तिकरण का केंद्र बनेगी। यह पहल दुर्ग जिले को पूर्णतः डिजिटल सशक्त जिला बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

राष्ट्रीय पोषण माह पर ग्राम विनायकपुर पर जन जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम विनायकपुर में एकीकृत बाल विकास परियोजना विभाग दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह पर जागरूकता का आयोजन किया गया। पौष्टिक आहार खाओ कुपोषण को दूर भगाओ विषय पर यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बच्चों में संतुलित स्वास्थ्य व स्वच्छता के महत्व पर जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर कार्यक्रम का शुभारंभ मां ज्ञानदायानी सरस्वती के तैल चित्र माल्यारोपण कर किया स्कूली बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया , छोटे छोटे बच्चों व स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगा रंग प्रस्तुति प्रदान किया ।

आंगनबाड़ी के छोटे छोटे बच्चों को पानी बाटल गिफ्ट प्रदान किया गया। आयोजित खेलकुद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं के गोद भराई रस्म के तहत् दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भाग्यलक्ष्मी, नीलीमा चंद्राकर उर्वशी चंद्राकर चंद्रकला साहू को पौष्टिक आहार टोकरी भेट किया। अन्नप्राशन संस्कार के तहत् कु. खुशिका राजेश्वरी भूविका व पीहू का मुंह मीठाकर पोषण कीट प्रदान किया गया। बाल विवाह व भ्रूण हत्या रोकथाम हेतु शपथ दिलाया गया । इस अवसर पर अपने संबोधन में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा स्वास्थ नारी सशक्त परिवार विश्व को चलने वाली कोई शक्ति है तो वह नारी शक्ति है परिवार की शक्ति समाज की शक्ति नारी है दो कुल को जोड़ने वाले नारी शक्ति है ऐसे नारी शक्ति को में प्रणाम करता हूं। आज हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए प्रत्येक माह 1000 देने के काम कर रही है। आज महिलाएं आत्मनिर्भर होकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है।

बीएसपी की हिर्री डोलोमाइट खदान को पांच सितारा रेटिंग, मुख्यमंत्री साय ने सम्मानित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म (खनिज संसाधन विभाग), छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ माइनिंग कॉन्क्लेव 2025 के दौरान 05 अक्टूबर, 2025 को भिलाई इस्पात संयंत्र की हिर्री डोलोमाइट खदान को पांच सितारा रेटिंग प्राप्त होने का गौरव मिला है।

प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पाँच सितारा रेटिंग अवार्ड एवं प्रशस्ति पत्र 05 अक्टूबर, 2025 को रायपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। बीएसपी के कार्यपालक निदेशक (खदान) बिपिन कुमार गिरि ने यह सम्मान संयंत्र की ओर से ग्रहण किया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (खदान), आई.ओ.सी. राजहरा खदान आर.बी. गहरवार,

मुख्य महाप्रबंधक (फ्लक्स) सह अभिकर्ता, हिर्री खदान चिंतला श्रीकांत, महाप्रबंधक, राजहरा खदान जयप्रकाश, उपमहाप्रबंधक सह खदान प्रबंधक (हिर्री खदान) सोमनाथ कुमार सिंह तथा मास्टर ओ.सी.टी., हिर्री (खदान) पी.पी.एस. सहगल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि यह प्रतिष्ठित सम्मान गौण खनिज नियम, 2015 के अंतर्गत लागू की गई स्टार रेटिंग प्रणाली के तहत उत्कृष्ट खनन कार्य, पर्यावरणीय प्रबंधन, सुरक्षा उपायों और सतत विकास के मानकों की पूर्णता के लिए प्रदान किया गया।

महापौर अलका ने ली जल विभाग की अधिकारियों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम जल विभाग से संबंधित रायपुर नाका स्थित 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट व शिवनाथ नदी इंटकवेल में मोटर पम्प क्षमता कमजोर होने के चलते गर्मी के दिनो मे टंकिया कम भरने तथा 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट से जुड़े बघेरा टंकी में भी क्षमता से अधिक कनेक्शन होने के कारण गया नगर व मठपारा वार्डो में लो प्रेशर से निजात दिलाने राज्य शासन द्वारा 15वें वित्त आयोग से मिली 6करोड़ से अधिक की राशि का क्रियान्वयन को लेकर आज दुर्ग नगर निगम महापौर श्रीमती अल्का बाघमार ने जल विभाग की अधिकारियों की अपने कक्ष में समीक्षा बैठक लेकर टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरे करने के निर्देश दिए।

इस दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जलगृह विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन ने

तकनीकी खामियों और प्रक्रियाओं के अलावा विभागीय गतिविधियों से महापौर को अवगत कराई इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य चंद्रशेखर चंद्राकर ज्ञानेश्वर ताम्रकार नीलेश अग्रवाल जल विभाग के कार्यपालन अभियंता गिरीश दीवान उप अभियंता विनोद मांझी जल निरीक्षक नारायण ठाकुर सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में महापौर अलका बाघमार ने शासन से मिली राशि का सही सदुपयोग करने तथा शहर में जल संकटग्रस्त क्षेत्र में गर्मी आने से पहले ही शीतकाल में ही मोटर पम्प लगाने की प्रक्रिया शीघ्र पूरा कर क्रियान्वयन प्रारंभ कर कंप्लीट करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि कोई भी प्लान सभी तकनीकी पहलुओ को ध्यान में रखकर किया जाए ताकि शासन का पैसे का दुरुपयोग ना हो बैठक में गया नगर में बनने वाले पानी टंकी पर भी चर्चा किया जिसके लिए गया नगर की वार्ड पार्षद व जल विभाग प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन ने प्रस्तावित टंकी निर्माण के लाभग्रस्त क्षेत्र को चिन्हांकित करने की बात कही जिस पर महापौर अलका बाघमार ने तकनीकी प्लान लिए निगम अधिकारियों को पीएचई के विशेषज्ञ अधिकारियो के साथ ज्वाइंट सर्वे अभी से पूरा कर निर्देश दिए इसके लिए जनप्रतिनिधियों को भी विश्वास में लिया जाए ताकि भविष्य में कोई परेशानी न हो बैठक में मालवीय नगर व अन्य जगह पर हो रहे लिकेज को दूर करने वाल बदलने तथा लिकेज मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है।

भिलाई शहर में गंदगी फैलाने वालों पर 4300 रूपये की चालानी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं सफाई कर्मी लगातार युद्व स्तर पर कार्य कर रहे है। प्रतिदिन कर्मचारी अलग-अलग जोन क्षेत्र के साफ-सफाई व्यवस्था को व्यवस्थित करने में जुटे है। साथ ही सिंगलयुज प्लास्टिक प्रतिबंधित होने के बाद भी कुछ लोगो द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली पांचो जोन के सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को जांच करते हुए कार्यवाही करने निर्देशित किए है।

जोन 01 नेहरू नगर के स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना अपनी टीम के साथ वार्ड क्रं. 17 आकाश गंगा सुपेला में प्रतिष्ठान, फल ठेला में सिंगलयूज प्लास्टिक एवं गिला-सुखा कचरा अलग-अलग नहीं रखने वालो की जांच किए है। जांच में पाया गया कि प्रतिष्ठान, फल ठेला संचालकों द्वारा सिंगलयूज प्लास्टिक का उपयोग करते हुए ग्राहकों को सामग्री डालकर बेचा जा रहा है। आदर्श सर्विस पेट्रोल पम्प में बाथरूम का साफ-सफाई ठीक नहीं रखने के कारण 2000 रूपये एवं यशवंत साहू टी स्टाल 400, वर्मा टी स्टाल नास्ता सेंटर 100, देवगढ़ स्व सहायता समूह नास्ता सेंटर 200, भीष्म देवांगन होटल 1200 तथा सांइ जूस कार्नर से 200 इस प्रकार कुल 4300 रूपये की चालानी कार्यवाही करते हुए प्लास्टिक को जप्त कर रसीद काटकर दिया गया।

रणनीति 2025 - निदेशक कप का समापन समारोह संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र में 08 अक्टूबर, 2025 को रणनीति 2025 - निदेशक (कार्मिक) कप लेवल-1 राउंड का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि कार्यपालक निदेशक (खदान) बी.के. गिरी उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय व्यावसायिक सिमुलेशन प्रतियोगिता का आयोजन स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के सहयोग से किया गया।

प्रतियोगिता के प्रशिक्षण और संचालन में सहायक निदेशक (एआईएमए) सी.एस. रस्तोगी तथा प्रबंधक (एआईएमए) प्रदीप कुमार का योगदान रहा। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में लेवल-1 राउंड में इस वर्ष कुल 27 टीमों ने भाग लिया, जो 2 दिनों में 5 राउंड्स में आयोजित किया गया। जिसके समापन के अवसर पर प्रत्येक ग्रुप 'ए' और 'बी' से चार टीमों को एक-

एक विजेता तथा उपविजेता घोषित किया गया।

रणनीति 2025 - निदेशक (कार्मिक) कप के समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि पवन कुमार ने विजेताओं की घोषणा की और उन्हें पुरस्कार प्रदान किए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विजेता और चैम्पियन में अंतर यह है कि विजेता केवल एक खेल जीतता है, जबकि चैम्पियन वह होता है जो स्वयं को निरंतर बेहतर बनाता है और उत्कृष्टता को बनाए रखता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से जीवन के हर क्षेत्र में 'चैम्पियन' बनने का प्रयास करने और आत्म-विकास की भावना को सदैव जीवित रखने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि बी.के. गिरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीत और हार किसी भी प्रतियोगिता का स्वाभाविक हिस्सा हैं, और असफलता ही सफलता की नींव होती है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर अनुभव से सीख लेकर स्वयं को और बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए।

इस वर्ष की प्रतियोगिता में ग्रुप 'ए' में टीम ए6-सुभाशीष नंदी, बिपिन कुमार दुबे और तनय सिंह ने विजेता का स्थान प्राप्त किया, वहीं टीम ए1 निकुंज कुमार, सचिन प्रधान और विजय कुमार देशमुख की टीम उपविजेता रही। ग्रुप 'बी' में टीम बी9 आलोक कुमार अग्रवाल, सतीश मित्तल और रोहित आर्य विजेता घोषित हुई, तथा टीम बी4, रामकिशन अग्रवाल, पवन अग्रवाल और राजेन्द्र कुमार साहू उपविजेता रही। समापन समारोह में स्वागत उद्बोधन कार्यकारी महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन - एल एंड डी) मुकुल सहारिया ने किया। समारोह का संचालन उप प्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) सुष्मिता पाटला ने किया व धन्यवाद ज्ञापन उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी) यशवंत सिंह जौहरी ने किया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

जनदर्शन में कलेक्टर सिंह ने दिव्यांग बिटिया को प्रदान किया व्हीलचेयर

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित जनदर्शन कक्ष में रावांभाठा, बिरगांव निवासी कु. रागिनी यादव को व्हीलचेयर प्रदान किया। 15 वर्षीय कु. रागिनी स्पास्टिक सेरेब्रल पाल्सी के कारण हाथ पैर काम नहीं करता एवं बोलने में असमर्थ है। इसी कारण आज जनदर्शन में कलेक्टर डॉ. सिंह को व्हीलचेयर की मदद हेतु आवेदन किया था जिसके पश्चात तत्काल कलेक्टर डॉ. सिंह द्वारा समाज कल्याण विभाग को व्हीलचेयर के लिए निर्देशित किया था।

परिजनों ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब रागिनी को दैनिक कार्यों में मदद मिल पाएगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, समाज कल्याण विभाग के सयुंक्त संचालक अरविंद गेडाम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संत युधिष्ठिर लाल के आशीर्वाद से हुआ एक दीया श्री राम के नाम अभियान का आगाज

रायपुर। सिंधी काउंसिल द्वारा शदाणी दरबार तीर्थ स्थल पर पूज्य संत युधिष्ठिर लाल के द्वारा एक दीया श्रीराम के नाम का पोस्टर विमोचन सम्पन्न हुआ। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा एक दीया श्रीराम के नाम का पोस्टर विमोचन शदाणी दरबार तीर्थ स्थल में पूज्य संत युधिष्ठिर लाल के द्वारा

किया गया।

सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक दीया एवं रंगोली नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। पोस्टर विमोचन में पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, वरिष्ठ समाजसेवी भरत बजाज शदाणी दरबार के सचिव उदय शदाणी, कटोरा तालाब व्यापारी संघ अध्यक्ष तेजकुमार बजाज, सिविल लाइन मंडल अध्यक्ष सुनील कुकरेजा धनेश मटलानी रितेश वाधवा राजेश रेलवानी उपस्थित थे।

संसद की प्राक्कलन समिति के सदस्य बने बृजमोहन

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को संसद की एक महत्वपूर्ण समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस समिति के गठन की घोषणा की है, जिसमें बृजमोहन अग्रवाल को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्राक्कलन समिति संसद की सबसे प्रभावशाली समितियों में से एक है। इसका गठन लोकसभा द्वारा किया जाता है और इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के व्यय, बजट उपयोग और कार्यप्रणाली की जांच करना होता है। समिति प्रशासन में पारदर्शिता, दक्षता और अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए आवश्यक सुझाव भी प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा यह मेरे लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। मैं इस समिति के माध्यम से शासन की नीतियों और व्यय के बेहतर क्रियान्वयन हेतु सार्थक योगदान देने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि लोकहित से जुड़ी योजनाओं का सुचारु संचालन और धन के उपयोग में पारदर्शिता ही सुशासन की आधारशिला है। संसद की इस समिति के माध्यम से आम जनता के हित में नीतिगत सुधारों को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

गुरुकुल महिला महाविद्यालय रायपुर के पुष्प सज्जा कार्यक्रम में दिखा सृजन का रंग, सरस्वती रही प्रथम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में पुष्प सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा का मंच बना, बल्कि महाविद्यालय द्वारा रजत जयंती वर्षगांठ एवं छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित उत्सव में भी चार चाँद लगा गया। बीकॉम 3 सेमेस्टर की सरस्वती राव ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं बीएससी 3 सेमेस्टर की सेजन देवांगन द्वितीय व बी कॉम1 सेमेस्टर की माधुरी पॉल ने तीसरा स्थान किया।

महाविद्यालय अपने स्थापना काल से ही महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित रहा है। यह प्रतियोगिता केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सृजन, सौंदर्य और

आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम रहा। इस प्रतियोगिता में लगभग 100 छात्राओं ने भाग लिया इस दौरान छात्राओं ने विभिन्न विषयों जैसे प्रकृति का संदेश, नवरात्र का उल्लास, भारतीय संस्कृति की झलक, विवाह परंपरा, पर्यावरण संरक्षण पर पुष्प सज्जा प्रस्तुत किए।

महाविद्यालय परिसर में पुष्पों की सुंदर खुशबू और सृजन की सौंधी महक बिखरी रही। फूलों के माध्यम से प्रस्तुत कलाकृतियाँ भारतीय संस्कृति और आधुनिक कला का सुंदर संगम रहीं। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित सभी दर्शकों ने छात्राओं की मेहनत, और कलात्मक दृष्टिकोण की प्रशंसा की। साथ ही भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया। महाविद्यालय से निर्णायक के रूप में डॉ. सिमरन आर वर्मा एवं डॉ. प्रियंका तिवारी रहे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश अग्रवाल, डॉ. कविता सिलवाल, डॉ. रात्रि लहरी, मान्या शर्मा, राहुल गोप एवं सरिता वर्मा सहित विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

जोन 3 कमिश्नर ने तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राईव की व्यवस्था का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप के निर्देशनुसार नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर प्रीति सिंह ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी पुरन कुमार तांडी एवं जोन स्वच्छता निरीक्षक की उपस्थिति में तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राईव की व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर प्रीति सिंह ने तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राईव में एसटीपी प्रबंधक संचालन एवं संधारण गो ग्रीन साल्युशन, पीव्हीटीएलटीडी सम्राट नगर नागपुर तेलीबांधा तालाब रायपुर पर सफाई व्यवस्था लचर मिलने एवं निरीक्षण में संबंधित एसटीपी संचालन एवं संधारण गो ग्रीन साल्युशन पीव्हीटीएलटीडी सम्राट नगर नागपुर द्वारा उचित तरीके से एसटीपी का संचालन करना नहीं पाये जाने और एसटीपी बंद पाये जाने और अपरिष्कृत जल ड्रेनेज वाटर सीधा तालाब में जाता पाये जाने और तालाब में जलकुंभी जलीय खरपतवार और कमल बहुत बडे क्षेत्र में फैल जाने, जलशोधन उचित तरीके से नहीं होने के कारण मछलियां मरने और तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव में संचालित दुकानो में चाय के डिस्पोजल पानी प्लास्टिक बोतल तालाब में पाये गये और मरीन ड्राइव के अंदर जगह जगह कचरे के ढेर व कबाड़ सामग्री रखी मिली।

जनशिकायते सही पाकर नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर प्रीति सिंह ने संबंधित एसटीपी प्रबंधक आलोक महावर पर उन्हे नोटिस देते हुए 1 लाख रुपए का अर्थदण्ड लगाने की कार्यवाही की है।

इसी प्रकार जोन 3 जोन कमिश्नर प्रीति सिंह ने तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव में नगर पालिक निगम रायपुर से नागरिको के लिए मनोरंजक गतिविधियों, परीक्षेत्र को विकसित संचालन एवं संधारण हेतु अनुबंधित एजेंसी मेसर्स ईसीएचटी इंटीग्रेटेड रिक्रिएशन फेसिलिटी प्रा. लि. अहमदाबाद गुजरात द्वारा विगत 1 माह से अनुबंध के विपरीत कार्य किये जाने और अनुबंध की नियम शर्ते केअंतर्गत गतिविधियों की सूची में से पृष्ठ कमांक 31 में सॉलिड वेस्ट को मरीन ड्राइव के अंदर एवं बाहर फैलाये नहीं जाने, सेफ्टी एवं सिक्योरिटी मे से पृष्ठ क्रमांक 34 में एजेंसी द्वारा 5 सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराये जाने के निर्देश का पालन नहीं किये जाने, निषेध गतिविधियों की सूची में पृष्ठ कमांक 40 में मरीन ड्राइव एवं भूजल को प्रदूषित करने वाली गतिविधि नहीं किये जाने के निर्देश का पालन नहीं करने और अनुबंध के विपरीत कार्य किये जाने पर तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव की खूबसूरती प्रभावित होने और पूरे परिक्षेत्र में गंदगी वातावरण एवं जल दूषित होने से संक्रामक बीमारी फैलने की आशंका होने की जनशिकायते सही मिलने पर संबंधित एजेंसी मेसर्स ईसीएचटी इंटीग्रेटेड रिकिएशन फेसिलिटी प्रा. लि. अहमदाबाद गुजरात पर ढाई लाख रुपए का अर्थदण्ड लगाते हुए अर्थदण्ड की राशि को 2 दिन में नगर निगम जोन 3 कार्यालय में जमा करवाने और पुनरावृत्ति होने पर अनुबंध की शर्तों के अनुसार एजेंसी पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने की चेतावनी नोटिस जारी कर जोन 3 जोन कमिश्नर द्वारा दी गई है।

विश्व दृष्टि दिवस पर छात्रों में जागरूकता शासकीय महाविद्यालय में नेत्र जांच शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व दृष्टि दिवस पर शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय, बीरगांव में रेड क्रॉस यूथ सोसायटी और एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय नेत्र प्रशिक्षण एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दृष्टि संबंधी समस्याओं का प्रारंभिक पहचान करना था। शिविर का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. प्रीति शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने कहा- स्वस्थ तन में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, इसलिए आंखों की देखभाल जीवन का अनिवार्य हिस्सा होनी चाहिए।

इस अवसर पर पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, रायपुर के रेटिना विशेषज्ञों और नेत्र चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दीं। डॉ. विनीत शाह (एम.एस., रेटिना स्पेशलिस्ट) ने सामान्य नेत्र रोगों और डिजिटल स्क्रीन से आंखों पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। डॉ. ललित कुमार पाटकर ने बीरगांव के छात्रों को आंखों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया। वहीं, डॉ. संजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा में नेत्र देखभाल पर रोचक संवाद किया और छात्रों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की।

कार्यक्रम में नेत्र जांच उपकरण का विमोचन किया गया और छात्रों की आंखों की जांच की गई। विशेषज्ञों ने दृष्टि दोष, कलर ब्लाइंडनेस और मोतियाबिंद जैसी समस्याओं की जांच की और आवश्यक परामर्श दिया। गंभीर मामलों को आगे के इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रोसमीना कुजूर ने किया। इस अवसर पर डॉ. युगबोध पटले, डॉ. कविता कोसरिया, कॉलेज के शिक्षक-कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल दृष्टि सुरक्षा की दिशा में सार्थक पहल थी, बल्कि छात्रों में स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी जागृत करने वाला साबित हुआ।

आंगनबाड़ी केन्द्रों की बदली तस्वीर, खेलते-खिलखिलाते नन्हे कदमों से संवर रहा भविष्य

सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र बने बाल विकास और सामाजिक जागरूकता के मॉडल केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्र अब पोषण और देखभाल के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के केंद्र बनते जा रहे हैं। महासमुंद जिले के शहरी सेक्टर-1 अंतर्गत संजय नगर-2, दलदली रोड और विश्वकर्मा वार्ड स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र इस परिवर्तन की सजीव मिसाल हैं। रंग-बिरंगी दीवारों, शैक्षणिक चित्रों, खेल-खेल में सीखने के तरीकों और खिलखिलाते बच्चों की उपस्थिति ने इन केंद्रों की छवि पूरी तरह बदल दी है।

दीवारों पर उकेरी गई चित्रकारी और संदेश जितनी अच्छी वजन की रेखा, उतना अच्छा बच्चा देखा, लड़का-लड़की एक समान न केवल बाल देखभाल का संदेश दे रहे हैं बल्कि समाज में समानता और स्वास्थ्य जागरूकता का प्रसार भी कर रहे हैं। यहां बच्चों के साथ गर्भवती माताएं और किशोरी बालिकाएं भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित हो रही हैं।

सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती शीला प्रधान के अनुसार मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, नोनी सुरक्षा, महतारी वंदन योजना और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन इन केंद्रों में हो रहा है। इन पहलों से माताओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण और अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। केंद्रों में स्वच्छता और व्यवस्थापन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। आरओ वाटर प्यूरीफायर, स्वच्छ किचन रूम, खेल सामग्री और खेलघर जैसी सुविधाएं बच्चों को सुरक्षित

और प्रोत्साहनकारी वातावरण दे रही हैं। अर्ली चाइल्डहुड केयर के तहत बच्चों को भाषा, गणित और व्यवहारिक ज्ञान की बुनियादी शिक्षा रोचक तरीकों से दी जा रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रूपा भारती और श्रीमती अंजू चंद्राकर बताती हैं कि बच्चों के अन्नप्राशन संस्कार से लेकर किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता तक के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। महतारी समितियों की नियमित बैठकें माताओं की सहभागिता सुनिश्चित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास का सशक्त माध्यम बने। उन्होंने कहा कि बच्चों के उज्जवल भविष्य और माताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए राज्य में अनेक योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों से छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी केंद्रों की सूरत बदल रही है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी अब केवल पोषण का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक और सामाजिक विकास का आधार बन चुकी हैं।

मनोविकास केन्द्र के 5 छात्रों का पर्पल फेस्ट 2025 के लिए हुआ चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। मनोविकास केन्द्र बलौदाबाजार के 5 विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ है। यह आयोजन 9 से 12 अक्टूबर 2025 तक गोवा मे किया जा रहा है। फेस्ट में हिस्सा लेने गोवा रवाना होने से पहले गुरुवार को कलेक्टर दीपक सोनी से चयनित बच्चों ने मुलाकात की। कलेक्टर श्री सोनी ने मनोविकास केंद्र के बच्चों का फेस्ट के लिए चयन होने पर जिले के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए उन्हें शुभकामनायें दी।

मनोविकास केन्द्र के नोडल अधिकारी आशा शुक्ला ने बताया कि केंद्र के छात्र कुलदीप निर्मलकर, तुषार सेन पुष्कर कुमार साहू,लोकेश कुमार वर्मा एवं किशन यादव का चयन पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ है। इनके साथ योग शिक्षक ललित कुमार साहू तथा केन्द्र प्रमुख दुर्गा शंकर पटनायक भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।चयनित विद्यार्थी मनोविकास केन्द्र एवं बलौदाबाजार-भाटापारा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 15 मिनट का योग प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे जो दिव्यांगजनों की क्षमताओं और

समावेशन की भावना को उजागर करेगा। यह भागीदारी मनोविकास पहल और जिला प्रशासन के लिए गर्व का क्षण होगा तथा इन विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और अनुभव प्रदान करेगी।

पर्पल फेस्ट 2025 को दिव्यांगजनों की रचनात्मकता, प्रतिभा और सशक्तिकरण के एक जीवंत उत्सव के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,गोवा सरकार के राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय, तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय एवं संयुक्त राष्ट्र भारत के सहयोग से किया जा रहा है।पर्पल फेस्ट का उद्देश्य दिव्यांगजनों के समावेशन, पहुंच और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह महोत्सव समाज में जागरूकता फैलाने, उनकी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा और समान अवसरों के साथ जीवन जीने का अधिकार हो।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास और पुनर्वास हेतु जिला प्रशासन द्वारा बलौदाबाजार में सीएसआर मद से मनोविकास केंद्र संचालित किया जा रहा है। इस केंद्र में 45 से अधिक बच्चों को विशेष शिक्षा, चिकित्सा सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण और समग्र विकास की सुविधाएं प्रदान किया जा रहा है। यह केंद्र जनवरी 2025 से शुरू हुआ है और अल्प समय मे ही बेहतर परिणाम सामने आने लगा है। विशेष शिक्षा, थेरेपी सेवाएं व्यावसायिक प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक परामर्श और खेल व सांस्कृतिक गतिविधियां संचालित की जा राही हैं। साथ ही बच्चों को आत्मनिर्भर बनने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों से भी जोड़ा जाता है।

शासकीय हाई स्कूल बरौंडा में दो शिक्षकों की हुई नियुक्ति, विद्यार्थियों को मिल रहा लाभ

रायपुर। जिले के तिल्दा ब्लॉक के ग्राम बरौंडा स्थित शासकीय हाई स्कूल के विद्यार्थियों को शिक्षक युक्तियुक्तकरण से बड़ा लाभ मिला है। विद्यालय में कक्षा नौवीं एवं दसवीं में लगभग 60-65 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। लेकिन पहले यहाँ व्यवस्था के तहत् मिडिल स्कूल के शिक्षक पढ़ाते थे। इस वजह से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। शासन द्वारा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बाद विद्यालय में दो नए शिक्षकों की नियुक्ति की गई। अब विद्यालय में कुल दो शिक्षक हो गए हैं, जिससे सभी कक्षाएँ सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं और शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार हुआ है। शिक्षकों की संख्या बढ़ने से विद्यार्थियों को नियमित कक्षाओं का लाभ मिल रहा है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

मलाइका ने दी अरबाज और शूरा को बधाई! पैरेंट्स बनने के चार दिन बाद शेयर की पोस्ट

अरबाज खान 58 साल की उम्र में दूसरी बार पिता बने हैं। अरबाज की पत्नी शूरा खान ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। शूरा और अरबाज 05 अक्टूबर को पेरेंट्स बने। आज शूरा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वे बेबी गर्ल को लेकर गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंची हैं, जहां खान परिवार ने भव्य स्वागत किया। बेबी गर्ल के जन्म के चौथे दिन अरबाज खान की एक्स वाइफ मलाइका ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

मलाइका ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

बता दें कि शूरा खान, एक्टर अरबाज खान की दूसरी पत्नी हैं। अरबाज की पहली शादी मलाइका अरोड़ा से हुई। मगर, 2017 में इनका तलाक हो गया। मलाइका से राहें जुदा होने के बाद अरबाज ने 2023 में शूरा से निकाह किया। 05 अक्तूबर को शूरा और अरबाज ने बिटिया का स्वागत किया। शूरा की बेबी गर्ल के जन्म के चार दिन बाद आज बुधवार को मलाइका ने क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तीन रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं। इसके साथ उन्होंने कुछ लिखा नहीं है। ऐसे में सोशल मीडिया पर सवाल किया जा रहा है कि क्या इस अंदाज से मलाइका ने अरबाज और शूरा को बधाई दी है।

फैंस को दी मुस्कुराने की सलाह

इससे पहले आज बुधवार सुबह भी मलाइका ने इंस्टा स्टोरी पर एक गुड मॉर्निंग पोस्ट शेयर कर फैंस को मुस्कुराते रहने की सलाह दी। मलाइका द्वारा साझा पोस्ट में लिखा है, 'मुस्कुराने की वजह हमेशा तलाशिए'।

क्या है शूरा और अरबाज की बिटिया का नाम?

बेटी के जन्म के बाद शूरा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। अरबाज और शूरा बेटी को लेकर गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंच गए हैं। अरबाज खान का नन्ही परी के साथ खूबसूरत वीडियो सामने आया है। इसके अलावा शूरा खान ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर बेबी गर्ल का नाम भी रिवील कर दिया है। कपल ने बेटी का नाम सिपारा खान रखा है। फैंस को अब बेबी सिपारा की पहली झलक का इंतजार है।

टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी ने शेयर की बहन की शादी की तस्वीरें

शिवांगी का पोस्ट

शिवांगी जोशी ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी बहन शीतल की शादी की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में शिवांगी पिंक रंग के लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वहीं शिवांगी की बहन लाल दुल्हन के जोड़े में बहुत प्यारी दिख रही हैं। इन तस्वीरों में शिवांगी के कई रूप नजर आ। किसी तस्वीर में शिवांगी बेहद खुश नजर आईं, तो किसी तस्वीर में शिवांगी अपने पिता के गले लगे दिखाई दीं। इन खुशी और इमोशनल पलों के साथ शिवांगी ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसा दिन जिसे हमारा दिल हमेशा अपने दिलों में संजोए रखेगा— प्यार, आंसू और अनगिनत यादें। आज भी एक सपने जैसा लगता है। हमारा दिल बहुत भरा हुआ है।'

टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी की बहन शीतल की शादी की शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। ये तस्वीरें खुद शिवांगी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में शिवांगी अपनी बहन शीतल की नई शुरुआत के लिए बेहद खुश नजर आईं, तो वहीं कई तस्वीरों में वह बहन के दूर जाने से इमोशनल भी दिखीं।

शिवांगी जोशी का करियर

18 मई 1998 को पुणे में जन्मी टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी टेलीविजन की प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। शिवांगी ने 2013 में 'खेलती है जिंदगी आंख मिचोली' में निशा की भूमिका के साथ अभिनय की शुरुआत की। लेकिन शिवांगी को असली पहचान टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से मिली है। इस सीरियल में शिवांगी ने दोहरी भूमिकाएं निभाई हैं। शिवांगी ने इस सीरियल में नायरा सिंघानिया गोयनका और सीरत शेखावत गोयनका की भूमिका निभाई है।

कौन हैं 'रामायण' फेम सुनील लहरी के बेटे कृष? 4 साल छोटी एक्ट्रेस से की कोर्ट मैरिज

'रामायण' के लक्ष्मण बन घर-घर मशहूर हुए सुनील लहरी के बेटे कृष पाठक ने कोर्ट मैरिज की है। कृष पाठक ने एक्ट्रेस सारा खान से शादी की है। एक्ट्रेस ने ये खुशखबरी खुद अपने सोशल मीडिया के जरिए दी है। 'बिदाई' एक्ट्रेस सारा खान और टेलीविजन एक्टर कृष पाठक ने 6 अक्टूबर को एक निजी समारोह में शादी कर ली। उन्होंने केवल परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में कोर्ट मैरिज की। सारा खान एक लोकप्रिय टेलीविजन एक्ट्रेस हैं और लगभग 15 साल से इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, जबकि कृष ने 2016 में 'पीओ डब्ल्यू बंदी युद्ध के' से अपना सफर शुरू किया था। अब जैसे ही सारा खान की अपने दूसरे पति संग तस्वीरें वायरल हुई तो लोगों के मन में कई तरह के सवाल उठाने लगे जैंस कि कृष पाठक कौन हैं और क्या करते हैं।

एक्टर कृष पाठक सुनील लहरी के बेटे हैं, जिन्होंने रामानंद सागर की प्रतिष्ठित पौराणिक सीरियल 'रामायण' में 'लक्ष्मण' की भूमिका निभाई थी। इससे पहले टाइम्स ऑफइंडिया को दिए इंटरव्यू में कृष ने खुलासा किया कि जब वह केवल नौ महीने के थे तब उनके माता-पिता अलग हो गए थे, जिसके बाद उनकी मां ने अकेले ही उनका पालन-पोषण किया था। इस तरह से परवरिश होने के बावजूद, वह अपने माता-पिता से बहुत अच्छी बॉन्ड शेयर करते हैं। उन्होंने कहा, 'अकेली मां के साथ रहना मेरे लिए और भी मुश्किल हो गया, लेकिन बचपन में जब मैं अपने दोस्तों को अपने माता-पिता दोनों के साथ मस्ती करते देखता था तो मुझे बहुत बुरा लगता था। हालांकि, धीरे-धीरे मैंने इससे बेहतर तरीके से निपटना सीख लिया। मेरे पिता के साथ भी मेरा बहुत प्यारा रिश्ता है। मेरा मानना है कि बच्चों की परवरिश सही तरीके से होनी चाहिए, चाहे माता-पिता उन्हें अकेले पालें।'

'रामायण' के सुनील लहरी की बहु बनीं ये मशहूर एक्ट्रेस

अभिनेता-निर्माता कृष पाठक और सारा खान दोनों ही टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा है। कृष पाठक 'POW: बंदी युद्ध के' और 'ये झुकी झुकी सी नजर' जैसे टेलीविजन शो में दिखाई दे चुके हैं। वहीं, सारा खान एक मशहूर टीवी एक्ट्रेस के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने 2007 में 'सपना बाबुल का...बिदाई' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद, वह 'प्रीत से बंधी डोरी राम मिलाई जोड़ी', 'वी द सीरियल', 'ससुराल सिमर का' और 'भाग्यलक्ष्मी' जैसे शोज में नजर आईं। उन्होंने 'बिग बॉस सीजन 4' और 'नच बलिए 6' जैसे कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया है।

कृष -सारा खान की खूबसूरत बॉन्ड

सारा के साथ अपनी लव स्टोरी के बारे में बात करते हुए कृष पाठक ने कहा, 'हमारी कहानी जेन-जी जैसी है। हम दोनों ही दिल टूटने के बाद बुरे दौर से उबर रहे थे। मैंने कभी शादी करने का नहीं सोचा था क्योंकि मेरी परवरिश एक अकेली मां ने की थी। दूसरी ओर, सारा ने अपने माता-पिता के बीच अच्छा रिश्ता देखा है और हमेशा से उस उसी तरह का रिश्ता चाहती थी। जब मुझे उसकी तस्वीर मिली तो मुझे तुरंत उसकी ओर खींचा गया। उससे मिलकर सब कुछ बदल गया और मुझे पता था कि मैं उसे जाने नहीं देना चाहता।'

मैं देख नहीं सकता, गौहर खान के काम पर बोले ससुर स्माइल दरबार, कहा- 'बेटा ही रोक सकता है'

म्यूजिक कंपोजर स्माइल दरबार को संजय लीला भंसाली की फिल्म हम दिल दे चुके सनम और देवदास जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हाल ही में स्माइल दरबार ने एक इंटरव्यू दिया जिसमें उन्होंने अपनी बहू गौहर खान और उनके काम को लेकर चर्चा की। स्माइल ने कहा कि वह थोड़ा पुराने ख्यालों के हैं और अपनी बहू गौहर खान के शादी और मां बनने के बाद काम करने का समर्थन नहीं करते। स्माइल ने कहा कि वो गुस्से से बचने के लिए गौहर का काम नहीं देखते।

बच्चे की बहुत अच्छे से परवरिश की

विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में बातचीत के दौरान इस्माइल ने कहा, गौहर के बारे में मैं इतना ही जानता हूं कि जैद के साथ उसका बहुत अच्छा रिश्ता है। जैद का जो पहला बच्चा हुआ, जेहान उसकी परवरिश उसने और गौहर ने मिलके बहुत अच्छे से की है। जैद बोलता है कि अब समझ में आता है कि परवरिश क्या होती है।

गौहर का काम नहीं देखते स्माइल

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी गौहर की फिल्म देखी है, इस्माइल ने कहा, मेरा एक नेचर है कि मेरी फैमिली की जो परवरिश है ना वो थोड़ी पुरानी सोच की है। मैं ये सोचता हूं कि गौहर अब हमारे घर की इज्जत है तो मैं अब ये तो नहीं बोल सकता ना कि तुम अब काम छोड़ दो। वो मेरा अधिकार नहीं है। वो अधिकार अगर किसी का है तो जैद का। इसलिए मैं उसके काम को नहीं देखता क्योंकि अगर देखूंगा तो मुझसे बर्दाश्त नहीं होगा, लेकिन मैं उस तरह की फैमिली से हूं।

बीवी ने भी छोड़ दिया था काम

उन्होंने आगे कहा, हालांकि, मेरी पत्नी आयेश ने जो सबसे बड़ी बात की, वह यह कि उन्होंने अपने बच्चे की खातिर काम करना बंद कर दिया। उस समय वह शो के जरिए 5 लाख रुपये प्रति माह कमा रही थीं और उन्हें एक्टिंग के भी ऑफर मिल रहे थे। लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा कि वह गाना या परफॉर्म करना चाहती हैं। यहां तक कि जब मुझे पैसों की जरूरत थी, तब भी उन्होंने हमारे लिए कमाने की पेशकश नहीं की। गौहर और जैद ने दिसंबर 2020 में शादी की थी। मई 2023 में उनका पहला बच्चा जेहान हुआ। कपल ने 1 सितंबर, 2025 को अपने दूसरे बेटे, फरवान का स्वागत किया।

क्या आपके चेहरे पर अतिरिक्त चर्बी है? ये करें, समस्या कम हो जाएगी!

आजकल ज्यादा वजन कई लोगों के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। वजन बढ़ने के कई कारण होते हैं। लेकिन ज़्यादा वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। हालाँकि, कुछ लोगों का पूरा शरीर ठीक रहता है, सभी अंग स्लिम और फिट होते हैं, लेकिन चेहरा मोटा होता है। इसे फेशियल फैट कहते हैं। यह समस्या ज्यादा वजन वाले लोगों में भी होती है।

चेहरे पर चर्बी होने के कई कारण

ज्यादा वजन वाले लोगों के चेहरे पर स्वाभाविक रूप से चर्बी जमा हो जाती है। इससे फेशियल फैट की समस्या हो जाती है। ऐसा पूरे चेहरे की त्वचा के नीचे चर्बी जमा होने के कारण होता है। कुछ लोगों के शरीर में तरल पदार्थों का प्रतिशत ज्यादा होता है। इससे चेहरा फूला हुआ दिखता है। इसे भी फेशियल फैट की समस्या ही मानना चाहिए। ऐसा तब हो सकता है जब आप बहुत ज्यादा नमक खाते हैं या पर्याप्त पानी नहीं पीते।

ये हैं कारण

कुछ लोगों के चेहरे पर आनुवंशिक कारणों से भी चर्बी बढ़ जाती है। कुछ लोगों को यह समस्या जन्म से होती है, जबकि कुछ लोगों में यह उम्र के साथ विकसित होती है। ऐसा खास तौर पर चेहरे की हड्डियों की संरचना के कारण होता है। इसमें जबड़े की हड्डी अहम भूमिका निभाती है। इसकी संरचना सही न होने पर भी चेहरे पर चर्बी जमा हो जाती है। उम्र के साथ, मांसपेशियों का प्रतिशत कम हो जाता है और चर्बी जमा हो जाती है।

इससे चेहरे पर भी चर्बी जमा हो जाती है। हाइपोथायरायडिज्म से पीड़ित लोगों और हार्मोन संबंधी समस्याओं से पीड़ित महिलाओं में चेहरा सूजा हुआ दिखाई देता है। नींद की कमी के कारण भी ऐसा होता है। अगर आप रोजाना पर्याप्त घंटे नहीं सोते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है। इससे वजन बढ़ता है। नतीजतन, चेहरे पर चर्बी भी आ जाती है। जो लोग बहुत अधिक शराब पीते हैं, वे बहुत अधिक कैलोरी का सेवन करते हैं। वे निर्जलीकरण से पीड़ित होते हैं। इससे शरीर में तरल पदार्थों का प्रतिशत बढ़ जाता है। नतीजतन, चेहरा सूज जाता है और फूला हुआ दिखाई देता है। इसे चेहरे की चर्बी भी कहते हैं।

इन खाद्य पदार्थों का करें सेवन

जिन लोगों के चेहरे पर चर्बी है, उन्हें चेहरे के व्यायाम करने चाहिए। शारीरिक व्यायाम आपको वजन कम करने में मदद करते हैं। इससे आपके चेहरे की चर्बी अपने आप पिघल जाएगी। आपका चेहरा अपने सामान्य आकार में वापस आ जाएगा। आप विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खाकर भी इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाने से आपके चेहरे की चर्बी कम करने में मदद मिलेगी। सेब, बेरी, संतरे, पालक, गाजर, ओट्स, क्विनोआ, ब्राउन राइस, बीन्स, दाल, मूंगफली, बिना चमड़ी वाला चिकन, मछली, अंडे, सोया टोफू अन्य सोया खाद्य पदार्थ, एवोकाडो, मेवे, बीज, जैतून का तेल, खीरा और तरबूज, ये सभी शरीर की चर्बी कम करने के बेहतरीन तरीके हैं। इसलिए, इन खाद्य पदार्थों को रोजाना खाने से आपको वज़न कम करने में मदद मिलेगी।

ये सावधानियां जरूरी है

चेहरे की चर्बी एक आम समस्या है। अगर ज्यादा वजन वाले लोग वजन कम कर लें, तो यह समस्या अपने आप कम हो जाएगी। लेकिन अगर ज्यादा वजन न होने के बावजूद यह समस्या है, तो पहले इसका कारण पता लगाना चाहिए। खान-पान और व्यायाम में उचित बदलाव करने चाहिए। इससे चेहरे की चर्बी कम करने में मदद मिल सकती है। इस समस्या से ग्रस्त लोगों के लिए बेहतर है कि वे अपनी दैनिक कैलोरी से थोड़ा कम खाएं। अगर आप रोज़ाना कार्डियो और एरोबिक व्यायाम करते हैं, तो परिणाम जल्द ही दिखाई देंगे। आपको खूब पानी पीना चाहिए। चेहरे की चर्बी डिहाइड्रेशन के कारण भी होती है, इसलिए आपको रोजाना पर्याप्त पानी पीना चाहिए। नमक का सेवन कम करें। शराब पीना कम करें या पूरी तरह से बंद कर दें। साथ ही, तनाव और चिंता कम करें और पर्याप्त नींद लें। अगर आप इन सभी सावधानियों का पालन करेंगे, तो आप आसानी से चेहरे की चर्बी कम कर सकते हैं। आपका चेहरा खूबसूरत दिखेगा।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की डिजिटल प्रगति को मिला राष्ट्रीय मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की डिजिटल प्रगति और तकनीकी क्षमता को राष्ट्रीय मंच पर प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया। नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित भारत मोबाइल कांग्रेस 2025 के अंतर्गत राज्यों के आईटी मंत्रियों की राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में राज्य के वित्त मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए देशभर के समक्ष राज्य के डिजिटल और दूरसंचार विकास की दृष्टि प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दूरसंचार अधोसंरचना के समन्वित विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयास सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने अपने संबोधन में प्रदेश में मोबाइल नेटवर्क विस्तार की आवश्यकता, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश के अवसर, साइबर सुरक्षा, डेटा सेंटर विकास और नवीन तकनीकों के प्रोत्साहन पर विशेष बल दिया। उन्होंने इंडियन मोबाइल कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष छत्तीसगढ़ में मोबाइल टावरों और हाई-स्पीड इंटरनेट विस्तार के लिए ठोस तर्क प्रस्तुत किए। साथ ही विभिन्न राज्यों को छत्तीसगढ़ में भूकंपीय जोखिम कम होने के कारण डेटा सेंटर एवं डिज़ास्टर रिकवरी साइट स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया।

भारत सरकार के दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में चौधरी ने अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में दूरसंचार अधोसंरचना के तीव्र विकास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में राज्य ने भारत सरकार द्वारा जारी राइट ऑफ वे नियम, 2024 को अधिसूचित कर 1 जनवरी 2025 से प्रभावी कर दिया है तथा केंद्रीय ROW पोर्टल पर ऑनबोर्ड होने का निर्णय लिया है। श्री चौधरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में दूरसंचार विस्तार प्राथमिकता पर जारी है। राज्य के कम जनसंख्या घनत्व एवं सुरक्षा-संवेदनशील जिलों में लगभग 1,600 टावर स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि मोबाइल नेटवर्क विस्तार की वर्तमान योजनाओं- LWE फेज-I एवं II, Aspirational Districts और 4G Saturation — में छत्तीसगढ़ को विशेष श्रेणी रियायत प्रदान की जाए, ताकि इन क्षेत्रों में नेटवर्क कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ किया जा सके।

इसके साथ ही उन्होंने नेटवर्क विस्तार की आगामी योजनाओं, जैसे धरती आबा योजना, के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में अतिरिक्त टावर स्वीकृति और राज्य-विशेष नई योजना के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने बताया कि राज्य के दूरस्थ वनांचलों में, जहाँ मोबाइल नेटवर्क विस्तार अत्यंत चुनौतीपूर्ण है, वहाँ सैटेलाइट आधारित कनेक्टिविटी के लिए नवीन परियोजनाओं की स्वीकृति आवश्यक है।

डिजिटल भारत निधि के अंतर्गत भारतनेट परियोजना फेज-III के तहत छत्तीसगढ़ द्वारा ?3,761.15 करोड़ का प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित किया गया है, जिसके माध्यम से राज्य की 5,659 ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर द्वारा हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। श्री चौधरी ने इस प्रस्ताव की शीघ्र स्वीकृति का आग्रह करते हुए कहा कि इससे प्रदेश की ग्राम पंचायतें टेलीमेडिसिन, ई-गवर्नेंस और डिजिटल पेमेंट जैसी सेवाओं से जुड़ सकेंगी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डिजिटल इंडिया का स्वप्न साकार होगा।

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्थापित किए जा रहे अत्याधुनिक स्टेट डेटा सेंटर और मैनेज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर की प्रगति से भी उन्होंने अवगत कराया। श्री चौधरी ने कहा कि अपनी भौगोलिक स्थिति, सरप्लस विद्युत उपलब्धता, Seismic Zone-II वर्गीकरण और आकर्षक निवेश नीति के कारण छत्तीसगढ़ डेटा सेंटर उद्योग के लिए देश का नया उभरता हुआ केंद्र बन रहा है। रैंक बैंक डेटा सेंटर्स द्वारा रायपुर में भारत का पहला AI-Optimized Data Center Park लॉन्च किया गया है, जिसमें 1,000 करोड़ का प्रारंभिक निवेश किया गया है, जो अगले पाँच वर्षों में ?3,000 करोड़ तक बढ़ेगा। यह सुविधा 13.5 एकड़ में फैली है, 80 मेगावाट क्षमता प्रदान करती है और इसमें 1 लाख तक्क होंगे, जिससे 500 से अधिक उच्च-कुशल रोजगार सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त ESDS Software Solutions ने रायपुर में ?600 करोड़ के निवेश से उन्नत AI-आधारित डेटा सेंटर स्थापना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

इस अवसर पर चौधरी ने केंद्र सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों एवं अन्य राज्य सरकारों को छत्तीसगढ़ में अपने डिज़ास्टर रिकवरी डेटा सेंटर्स स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से सभी डेटा सेंटर निवेशकों को आवश्यक सभी सुविधाएँ प्रदान करने के लिए पूर्णतः कृतसंकल्पित है।

'बस्तर राइजिंग' बस्तर की सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और उद्यमशीलता को दिलायेगी राष्ट्रीय पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जनसम्पर्क विभाग और बस्तर संभाग के जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से 'बस्तर राइजिंग' विशेष अभियान की टीम आज केशकाल विकासखंड अंतर्गत टाटामारी पहुँचा। अभियान के प्रथम दिन हिमाचल प्रदेश से आए नवाचारी दल ने पुरातात्विक महत्व के स्थान गोबरहीन के प्राचीन शिवलिंग का अवलोकन किया और 06वीं शताब्दी के गढ़ धनोरा के इतिहास के बारे में जाना। इसके पश्चात उनकी टीम ने होनहेड़ जलप्रपात की सुंदरता को निहारा और उनकी प्रशंसा की।

उल्लेखनीय है कि हार्मोनी फेस्ट 2025 अंतर्गत बस्तर राइजिंग बहुआयामी अभियान के तहत बस्तर संभाग की सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और उद्यमशीलता क्षमताओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने व पृथक् पहचान दिलाने के उद्देश्य से जनसंपर्क विभाग द्वारा विशेषज्ञों, युवाओं, शिल्पकारों और स्थानीय समुदायों के बीच संवाद कार्यशालाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की गई है। दिल मेला दिल में ला थीम पर आधारित इस अभियान के अंतर्गत बस्तर की प्रेरक कहानियाँ, नवाचार एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा।

सात सदस्यीय टीम में 'प्लेसेज ऑफपॉसिबिलिटीज़' के संस्थापक प्रतुल जैन सहित परीना सिंघल, पलक चौधरी, आयुषी कपूर, निष्ठा जोशी, सदफ अंजुम, प्रनो डिसिल्वा शामिल हैं।

जनसेवा ही हमारा संकल्पः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जनदर्शन में सुनी जनता की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है, जनता की प्रत्येक समस्या का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आज अपने निवास बीरपुर जिला सूरजपुर में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुँचे नागरिकों की समस्याएँ और सुझाव सुनी।

उन्होंने अधिकारियों को हर आवेदन पर आवश्यक और त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता की समस्याओं का निराकरण स्थल पर ही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि शासन की

योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से जनता तक पहुँच सके। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने जनदर्शन में सुनी जनता की समस्याएँ, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की अध्यक्षता में आज जिला खनिज संस्थान न्यास सूरजपुर की शासी परिषद की बैठक भी जिला पंचायत कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में सांसद चिंतामणि महराज, जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, कलेक्टर सहित जिले के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में खनिज न्यास निधि से संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई और विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने निर्देश दिए कि खनिज न्यास निधि से संचालित सभी योजनाएँ जनजीवन के उत्थान में सार्थक योगदान दें, तथा उनके क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि खनिज क्षेत्र से प्राप्त संसाधनों का अधिकतम लाभ स्थानीय जनता को मिले और इन योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पोषण, सड़क एवं रोजगार के क्षेत्र में स्थायी सुधार हो।

क्षितिज शेट्ठी बने ऊर्जा आत्मनिर्भर : पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से बिजली बिल हुआ शून्य

रायपुर। सूर्य का प्रकाश हमारे जीवन में ऊर्जा, प्रकाश और स्वास्थ्य का संचार करती है। यह प्राकृतिक शक्ति हमारे जीवन विकास के साथ-साथ अब घरों को मुफ्त बिजली भी प्रदान कर रही है। ऐसा संभव हो पाया है पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से, ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में क्षितिज शेट्ठी अम्बिकापुर निवासी एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफ्टॉप प्लांट लगवाया है।

इस पहल के बाद वे अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर बन चुके हैं। श्री शेट्ठी बताते हैं कि सोलर प्लांट लगाने के बाद से उन्हें अब बिजली बिल जमा नहीं करना पड़ता। उनकी सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता घरेलू खपत से अधिक है, जिससे अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जमा हो रही है। उन्होंने बताया कि पहले हर महीने दो से ढाई हजार रुपये तक का बिजली बिल आता था, लेकिन अब बिल शून्य है। अब मैं अपनी बिजली खुद बनाता हूं और पर्यावरण संरक्षण में योगदान भी दे रहा हूं।

आंगनबाड़ी सेवाओं से कुपोषित शिवांश हुआ स्वस्थ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में चल रहे प्रयासों का प्रभाव अब जमीनी स्तर पर दिख रहा है। मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के ग्राम चौनपुर के आंगनबाड़ी केन्द्र नवापारा से जुड़े बालक शिवांश ने आंगनबाड़ी सेवाओं और परिवार के समन्वित प्रयासों से कुपोषण पर विजय पाई।

शिवांश का जन्म 12 जुलाई 2024 को हुआ था। जन्म के समय उसका वजन 2.700 किलोग्राम था। जन्म के बाद पोषण की उचित देखभाल न होने से उसका वजन घटकर कुपोषण की श्रेणी में पहुँच गया था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन ने नियमित वजन मापन के दौरान स्थिति की पहचान की और

तत्काल गृहभेंट कर परिवार को उचित परामर्श दिया। लालसा कुमारी को समझाया गया कि वे अपने भोजन में अंकुरित अनाज, मौसमी फल, मुनगा भाजी, दूध, हरी सब्जियाँ और प्रोटीनयुक्त भोजन शामिल करें। बच्चे को स्तनपान के साथ-साथ ऊपरी आहार जैसे दलिया, खिचड़ी, गाढ़ी दाल, पंजीरी, लपशी और हलुआ प्रतिदिन 4-5 बार हल्के रूप में देने की सलाह दी गई। आंगनबाड़ी केन्द्र से मिलने वाले रेडी टू ईट आहार का नियमित सेवन कराया गया। साथ ही परिवार को स्वच्छता, टीकाकरण और समय पर वजन मापन के लिए प्रेरित किया गया।

शिशु अवस्था के दौरान तेज़ी से विकास और वृद्धि के लिए उचित पोषण अत्यंत महत्वपूर्ण है। शुरुआती छह महीनों तक केवल स्तनपान कराने के बाद, स्तनपान बंद करने वाले या पूरक आहार देना ज़रूरी है। ये आहार पोषक तत्वों से भरपूर होने चाहिए, जिनमें मसले हुए फल, सब्ज़ियाँ और अनाज शामिल हों, ताकि शिशु को पर्याप्त विटामिन और खनिज मिल सकें। लगातार देखरेख और पौष्टिक आहार के सेवन से शिवांश का वजन धीरे-धीरे बढ़ने लगा। कुछ ही महीनों में उसका वजन सामान्य श्रेणी में पहुँच गया। अब वह स्वस्थ और सक्रिय है।

यह सफलता इस बात का उदाहरण है कि यदि आंगनबाड़ी की सेवाओं, मितानिन और परिवार को संयुक्त प्रयास करने से कुपोषण जैसी चुनौती पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाया जा सकता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि शिवांश जैसी प्रेरक कहानियाँ बताती हैं कि जागरूकता, सामुदायिक सहयोग और पोषण आहार के नियमित उपयोग से सुपोषित छत्तीसगढ़ का सपना साकार हो रहा है।

बैंक सखी बालेश्वरी गांव-गांव में पहुंचा रहीं हैं बैंकिंग सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बैंक सखी ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में बैंकिंग सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह की एक प्रशिक्षित महिला सदस्य होती है, जो सखी के रूप में काम करती है, वह बैंक के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करती है । सरगुजा जिले के विकासखण्ड लखनपुर के ग्राम पंचायत लोसंगी की रहने वाली बालेश्वरी यादव बैंक सखी के रूप में कार्य कर रहीं हैं।

उनके द्वारा पांच पंचायतों लोसंगी, लोसगा, रेमहला, लब्जी, कटिन्दा में लोगों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाई जा रहीं हैं, ग्रामीण उन्हें बैंक वाली दीदी कहते हैं। क्योंकि बैंकिंग सम्बन्धी जिन कार्यों के लिए लोगों को पहले बैंक तक जाना पड़ता था, वो काम अब उनके गांव में ही हो जाते हैं। बैंक वाली दीदी गांव में आती हैं और लोगों के बैंकिंग लेन-देन के कार्य करके जाती हैं।

बालेश्वरी यादव ने बताया कि वे वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मनरेगा मजदूरी भुगतान, स्व- सहायता समूह की राशि का लेनदेन सहित अन्य बैंकिंग कार्य कर रहीं हैं। विगत पांच वर्षों में उन्होंने लगभग 11 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लेनदेन किया है। बालेश्वरी बताती हैं कि वे अपने पुत्र के साथ लोसंगी में रहती हैं, इससे पहले उनकी आय का जरिया मेहनत मजदूरी था, मजदूरी से प्राप्त पैसों से ही गुजर-बसर करना पड़ता था।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में जब गांव में स्व-सहायता समूह का गठन हुआ, तो मुझे भी उसमें सदस्य बनने की इच्छा हुई और मुझे रानी लक्ष्मी बाई स्व-सहायता समूह का अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद मैंने ग्राम संगठन एवं क्लस्टर संगठन में भी अध्यक्ष के रूप में काम किया। इसके बाद सक्रिय महिला एवं आरवीके बुक कीपर का काम करने का भी मौका मिला। इसके बाद मुझे एनआरएलएम के द्वारा बैंक सखी के बारे में बताया गया, इस कार्य के लिए मुझे काफी उत्सुकता हुई। हमें आरसेटी के द्वारा बैंक सखी का प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2021 से मैंने बैंक सखी का काम करना शुरू किया, उन्होंने कहा कि इस कार्य से मुझे प्रतिमाह लगभग 15 हजार रुपए तक कमीशन मिल जाता है। बैंक सखी के कार्य से आर्थिक सशक्तिकरण के साथ मुझे समाज में अलग पहचान मिली है, वहीं लोगों की मदद करके बहुत खुशी मिलती है।

लोगों को जब जरूरत होती है, तो वे स्वयं मुझे बुलाते हैं। वहीं बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंदों के घर पर भी मैं बैंकिंग सेवा प्रदान करती हूं। उन्होंने बताया कि कियोस्क के माध्यम से अब तक लभगभ 513 ग्रामीणों के जनधन खाते खोले हैं। वहीं बीमा योजनाओं से भी हितग्राहियों को जोड़ा है, जिसमें प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना 713, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना 556, अटल पेंशन योजना 600 हुए हैं।

शिक्षा में डिजिटल क्रांति- 1100 विद्यालयों को मिलेगी स्मार्ट टीवी की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय विद्यालयों में विशेष कर प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा को बढ़ावा देने एवं उसे रुचि कर बनानें के उद्देश्य से जन सहयोग के माध्यम से जिले के लगभग 1100 विद्यालयों में स्मार्ट टी0व्ही उपलब्ध कराया जाएगा।

शिक्षा में डिजिटल क्रांति के तहत बिलासपुर जिले के विकासखण्ड बिल्हा के 25 स्कूलों में स्मार्ट टीवी वितरण किया गया, जिससे बच्चे मनोरंजक ढंग से शिक्षा प्राप्त कर सकेगें। बिल्हा विकासखण्ड में 50 स्मार्ट टी0व्ही श्री नरेश अग्रवाल प्रबंधक मंगल पावर एवं इस्पात बिल्हा के द्वारा प्रदान किया गया है, जिसके प्रथम चरण में आज 25 स्मार्ट टी0व्ही विद्यालयों को प्रदान किया गया है। इस प्रकार शेष विद्यालयों को शीघ्र ही स्मार्ट टी0व्ही0 उपलब्ध कराया जायेगा। शिक्षा को बढ़ावा देने एवं उसे बच्चों में रुचि कर बनानें के उद्देश्य से जन सहयोग के माध्यम से जिले मार्ट टी0व्ही सेट उपलब्ध्ण कराया जा रहा है। बच्चों को डिजिटल एवं ई-क्लास के माध्यम से रुचिकर कर शिक्षा प्रदान की जायेगी, जिससे बच्चों का विद्यालय ओर अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी। सम्पर्क फॉउडेशन नई दिल्ली द्वारा लगभग 1100 विद्यालयों को निःशुल्क सम्पर्क टी0व्ही डिवाईस भी उपलब्ध कराया जा रहा हैं, जिसके माध्यम से बच्चे मनोरंजक ढंग से शिक्षा प्राप्त कर सकेगें। नगर निगम बिलासपुर प्रबंधक मंगल पावर एवं इस्पात बिल्हा, डी0एम0सी0 समग्र शिक्षा बिलासपुर सहित अधिकारी उपस्थित रहे ।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

मध्यप्रदेश की नाबालिग से जबरन करा रहे थे देह व्यापार, दुर्ग से दो महिलाएं गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र में अनुपपुर मध्यप्रदेश की रहने वाली एक नाबालिग को देह व्यापार में धकेलने का मामला सामने आया है। नाबालिग को बंधक बनाकर उसे देह व्यापार के लिए मजबूर किया गया। किसी तरह से नाबालिग वहां से निकली और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिलाओं के खिलाफ मोहन नगर पुलिस ने धारा 137(2), 98, 64(2), 115(2), 3 (5) बीएनएस, 4, 6 पाक्सो एक्ट, 3, 4, 5, 7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

दरअसल इस मामले में प्रार्थिया नाबालिग ने मोहन नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग ने बताया कि वह जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश की रहने वाली है। वह नवरात्रि में मैंहर घुमने जाने के नाम पर घर से निकली थी। मेला खत्म होने के बाद कटनी स्टेशन पर यात्री प्रतिक्षालय में प्रीति नाम के महिला से जान पहचान होने पर अपने साथ काम कराने एवं काम दिलाने के नाम पर दुर्ग लेकर आ गई।

दुर्ग में महिला ने नाबालिग का आपत्तिजनक फोटो खींच लिया और लोगो के पास भेजती थी। महिला ने नाबालिग को घर पर बंधक बना लिया और लोगो से अवैध संबंध स्थापित करने का दबाव बनाने लगी। मना करने के बाद भी जबरजस्ती दबाव बनाकर देह व्यापार कराने की बात बताई। नाबालिग ने बंद कमरे से खुद को छुडाया और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में मोहन नगर पुलिस ने धारा 137(2), 98, 64(2), 115(2), 3 (5) बीएनएस, 4, 6 पाक्सो एक्ट, 3, 4, 5, 7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश पर विशेष टीम गठित कर पीड़िता के निशानदेही पर घेराबंदी कर संदेहियों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया। संदेहियों द्वारा अपराध का घटित करना स्वीकार करने एवं पर्याप्त साक्ष्य होने पर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया है। पुलिस ने इस मामले में प्रीति बेसरा उम्र 22 साल निवासी दल्लीराजहरा, हाल निवास उरला थाना मोहन नगर तथा सीमा सोनी उम्र 47 साल उरला थाना मोहन नगर को गिरफ्तार किया।

खास खबर

रायपुर में इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, यात्री की मौत

रायपुर। जिले के माना एयरपोर्ट में इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है, बताया जा रहा है कि एक यात्री की मौत हो गई है, जानकारी के मुताबिक यात्री बल्ड कैंसर से ग्रसित था। वे वर्धमान पश्चिम बंगाल से मुंबई के लिए निकला हुआ था। विमान में सफर के दौरान उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। तभी पायलट ने यात्री की नाजुक हालत को देखते हुए तत्काल माना एयरपोर्ट में इमरजेंसी लैंडिंग करने का फैसला लिया।

इंडिगो की दुर्गापुर मुंबई फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है, प्लेन में युवक के बेहोश होने पर पायलट ने तुरंत रायपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराया, माना सिविल अस्पताल ले जाने पर यात्री को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। यात्री का नाम वर्धमान पश्चिम बंगाल निवासी गौतम बावरी उम्र 24-25 साल बताया जा रहा है, मृतक बल्ड कैंसर का मरीज था और उसका टाटा मेमोरियल में कैंसर की ईलाज होनी थी।

गर्भवती कर शादी से मुकरा युवक, प्रेमी गिरफ्तार

बलरामपुर। छेड़छाड़ और दुष्कर्म के कड़े कानून बनाए गए हैं। इसके बाद भी ऐसी घटना कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन दरिंदे युवती व नाबालिग को हवस का शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही एक एक मामला छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से सामने आया है, जहां शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद अब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना डवरा पुलिस चौकी का है। दरअसल, यहां एक युवक लगातार शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म कर रहा था। जिसके बाद युवती गर्भवती हो गई, तो युवक ने शादी से इनकार कर दिया। जिससे नाराज युवती ने इसकी शिकायत पुलिस को दे दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत दर्ज कर मामले की जांच में जुटी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की आगे कार्रवाई की जा रही है।

खड़े वाहन से टकराया स्कूटर

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में बीती रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीन युवक इलेक्ट्रिक स्कूटर (CG 04 NW 3417) में सवार होकर शहर के भीतर घूमने निकले थे। तेज रफ्तार और असंतुलन के कारण स्कूटर अचानक सड़क किनारे खड़े टाटा एस वाहन से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सवार तीनों युवक सड़क पर जा गिरे। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए। मृतक की पहचान महेश यादव, स्थायी निवासी कटोरा तालाब, के रूप में हुई है। महेश पेशे से एक पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन थे और जैकलिन पैथोलॉजी लैब में कार्यरत थे। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। तेलीबांधा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल मेकहारा अस्पताल रवाना किया गया।

अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई, 10 एकड़ जमीन पर चला बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। राजस्व विभाग कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार अवैध निर्माण और प्लॉटिंग पर बुलडोजर चलाकर भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है। ग्राम सेजबहार में राजस्व विभाग और नगर निगम टीम ने 10 एकड़ से अधिक भूमि पर अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई की। एसडीएम रायपुर नंदकुमार चौबे के नेतृत्व में टीम ने बुलडोजर चला कर अवैध रूप से बने बाउंड्री वॉल, पिलर और रोड रास्ता तोड़ा। कार्रवाई के दौरान राजस्व और नगर निगम की टीम ने अवैध कब्जे हटाने के साथ ही भविष्य में पुन: कब्जा रोकने के लिए सतर्कता बरती। मौके पर तहसीलदार राकेश कुमार देवांगन भी मौजूद रहे।

राजस्व विभाग ने केवल चार दिनों में आधा दर्जन स्थानों पर अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ कार्रवाई की है। इसमें रविवार को डूमरतराई, अटल नगर NRDA परिसर, माना इलाका और अन्य क्षेत्रों में भी बुलडोजर कार्रवाई की गई थी। कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने निर्देशित किया है कि अवैध प्लॉटिंग पर लगातार नजर रखी जाए और जो भी लोग सरकारी भूमि पर कब्जा करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। राजस्व विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध प्लॉटिंग या कब्जा किए गए क्षेत्र की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें। विभाग ने चेतावनी दी है कि सरकारी भूमि पर कब्जा करने वाले लोग कानूनी कार्रवाई और जुर्माने के दायरे में आएंगे।

राजधानी में युवक ने एआई टूल से छात्राओं की अश्लील तस्वीरें बनाई, आरोपी छात्र गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) से साइबर शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक छात्र ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) टूल्स का दुरुपयोग करते हुए अपनी 36 साथी छात्राओं की तस्वीरों को अश्लील दृश्यों में मॉर्फ कर दिया। यह सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया है। आरोपी छात्र बिलासपुर जिले का निवासी बताया जा रहा है, जो घटना उजागर होने के बाद से फरार है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी छात्र पिछले कई महीनों से AI-आधारित एडिटिंग टूल्स का उपयोग कर रहा था। उसने अपने सहपाठियों-विशेषकर छात्राओं की सोशल मीडिया प्रोफाइल तस्वीरें (Instagram, Facebook, LinkedIn) डाउनलोड कर ली थीं। इन तस्वीरों को उसने AI टूल की मदद से अश्लील स्वरूप में परिवर्तित किया और उन्हें अपने निजी डिवाइस तथा क्लाउड स्टोरेज पर सहेज रखा था। यह पूरा मामला सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम

(IT Act) और साइबर शोषण के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।

आरोपी निलंबित घटना तब सामने आई जब कुछ छात्राओं को पता चला कि उनकी प्रोफाइल तस्वीरों का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने तुरंत कॉलेज मैनेजमेंट को लिखित शिकायत दी। शिकायत मिलते ही प्रशासन ने आरोपी छात्र को तत्काल निलंबित कर दिया और मामले की जांच के लिए एक आंतरिक जांच समिति गठित की। सूत्रों के अनुसार, जांच समिति की अध्यक्षता एक महिला प्रोफेसर कर रही हैं। समिति ने अब तक कई छात्राओं से बयान लिए हैं और आरोपी के लैपटॉप व मोबाइल फोन की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, कॉलेज प्रशासन ने पुलिस को औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई, जिससे संस्थान के रुख पर सवाल उठ रहे हैं।

रायपुर पुलिस अधिकारी विवेक शुक्ला ने पुष्टि की कि यह मामला राखी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उन्होंने बताया कि भले ही किसी पीड़िता या कॉलेज प्रशासन ने अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई, लेकिन मीडिया और आंतरिक स्रोतों से जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने कॉलेज पहुंचकर प्रारंभिक जांच शुरू की है। विवेक शुक्ला ने कहा, कॉलेज प्रशासन से बात की गई है। हमें बताया गया कि एक आंतरिक जांच समिति काम कर रही है। जब भी प्रशासन से हमें आधिकारिक रिपोर्ट मिलेगी, उसके आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मॉर्फ की गई तस्वीरें अभी तक सोशल मीडिया पर वायरल नहीं हुई हैं, जो राहत की बात है। पुलिस का कहना है कि अगर डिजिटल साक्ष्य नष्ट करने या सामग्री साझा करने की कोशिश की जाती है तो आईटी अधिनियम की कठोर धाराओं के तहत तत्काल गिरफ्तारी की जाएगी।

रिवाल्वर, देशी कट्टा और कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रिवाल्वर देशी कट्टा और कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार किया गया है, मुजगहन पुलिस ने बताया 9 अक्टूबर को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना मुजगहन क्षेत्रांतर्गत बोरियाकला स्थित धनेली रोड हाऊसिंग बोर्ड कालोनी के सामने मुर्गी फार्म के पास एक व्यक्ति अपने हाथ में रिवाल्वर लेकर आने जाने वाले लोगों को डरा धमकाकर भयभीत कर रहा है।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी मुजगहन को आरोपी को रिवाल्वर के साथ रंगे हाथ पकडने निर्देशित किया गया। जिस पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट एवं थाना मुजगहन पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ कर आरोपी को थाना सिविल लाईन एवं मुजगहन का हिस्ट्रीशीटर बादल बेहरा के रूप में चिन्हांकित किया गया।

रिवाल्वर रखने के संबंध में बादल बेहरा से वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह किया जा रहा था। जिस पर आरोपी बादल बेहरा से कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा उक्त रिवाल्वर के अतिरिक्त 01 नग देशी कट्टा तथा 01 जिन्दा कारतूस को घर में छिपा कर रखना बताया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी की निशानदेही पर देशी कट्टा

एवं जिंदा कारतूस को भी बरामद किया गया।

आरोपी बादल बेहरा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 नग रिवाल्वर, 01 नग देशी कट्टा व 01 नग जिन्दा कारतूस जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना मुजगहन में अपराध क्रमांक 221/25 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया। आरोपी बादल बेहरा थाना सिविल लाईन एवं मुजगहन का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके विरूद्ध हत्या का प्रयास, लूट, मारपीट, आर्म्स एक्ट, प्रतिबंधात्मक धाराओं सहित अन्य मामलों के लगभग 02 दर्जन अपराध पंजीबद्ध है। गिरफ्तार आरोपी बादल बेहरा पिता स्व. अशोक बेहरा उम्र 29 साल निवासी हाऊसिंग बोर्ड कालोनी ब्लॉक नंबर 49 बोरियाकला थाना मुजगहन जिला रायपुर से है।

11 शिक्षकों को नोटिस जारी

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने धमधा और दुर्ग ब्लॉक की शालाओं का निरीक्षण किया। शाउमा शाला धमधा में समय पर कर्मचारी मजूला गजभिये, हीना कौसर, तरूलता सिन्हा, व्याख्याता एलबी गोविंद कुमार, सीमा जैन, सुधा शर्मा अनुपस्थित पाए गए। इस पर डीईओ ने प्राचार्य जोगेंदर खनिजों और अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं धमधा के सेजेस हिन्दी माध्यम कन्या विद्यालय में व्याख्याता एलबी किरण वर्मा अनुपस्थित मिलीं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

नं. 2025/वा/को/वाई.टी.एस.के./।।/रा
दिनांक: 06-10-2025

1. कार्य का नाम: यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (वाईटीएसके) का आवंटन:- रायपुर मण्डल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों स्थानों पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकटों को जारी करने के लिए यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (वाईटीएसके) की नियुक्ति। **2. आवेदन पत्र निविदा बाक्स में डालने की तिथि एवं समय:** दिनांक 12.11.2025 को 15.00 बजे तक। **3. आवेदन खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 12.11.2025 को 15.30 बजे। **4. आवेदन पत्र का मूल्य:** रु. 1180/- (रु. एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) प्रति निविदा प्रपत्र। **5. ठेके की अवधि:** 03 (तीन) वर्ष हेतु।

आवेदक वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, डी.आर.एम. ऑफिस कॉम्प्लेक्स, वाल्टेयर रेलवे कासिंग गेट के पास आर.व्ही.एच. रेलवे कालोनी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर (छ.ग.) के कार्यालय में इस उद्देश्य के लिए रखे गए आवेदन बॉक्स में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस.ई.सी. रेलवे रायपुर को संबोधित करते हुए अपने मुहरबंद कव्हर को दिनांक 12.11.2025 को दोपहर 15.00 बजे तक डाल सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए उपरोक्त कार्य के लिए योग्यता मानदंड विभिन्न, स्टेशनों स्थानों और कार्य का पूर्ण विवरण कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस.ई.सी. रेलवे रायपुर के कार्यालय में संपर्क कर सकते है एवं हमारी वेबसाइट www.secr.indianrailways.gov.in. पर उपलब्ध पूर्ण विवरण हासिल कर सकते है। आवेदन पत्र/ दस्तावेज हमारी वेबसाईट से डाउनलोड किया जा सकता है।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पीआर/आर/सी.डीसीएम/एएन/183 द.पू.म.रेलवे रायपुर

South East Central Railway @secrail

रायपुर में पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, 2 गांजा तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन निश्चय के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (ACCU) और थाना पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मध्य प्रदेश के भोपाल के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 11 किलो 756 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 17 हजार रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा और पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर की गई। पुलिस टीम ने इस अभियान के तहत नशे के सौदागरों पर निगरानी बढ़ा रखी थी और लगातार मुखबिरों के माध्यम से सूचनाएं एकत्र की जा रही थीं।

मिली जानकारी के अनुसार 08 अक्टूबर

2025 की रात एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली कि थाना पुरानी बस्ती क्षेत्र के राधा स्वामी नगर बस स्टैंड रोड स्थित साईं मंदिर के पास दो व्यक्ति संदिग्ध रूप से खड़े हैं, जिनके पास बैग में गांजा है और वे उसे बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एसीसीयू और पुरानी बस्ती थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तुरंत घेराबंदी कर दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम संतोष विश्वकर्मा (19 वर्ष) और ताराचंद लोधी (58 वर्ष) बताया, जो अयोध्या नगर, भोपाल (मध्य प्रदेश) के निवासी हैं। जब पुलिस ने उनके पास मौजूद बैग की तलाशी ली तो उसमें अलग-अलग पैकेटों में गांजा रखा मिला।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और कुल 11 किलो 756 ग्राम गांजा, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 17 हजार रुपये है, को जब्त कर लिया। इसके बाद दोनों के खिलाफ थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 397/25 के तहत धारा 20(बी) नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी गांजा की अवैध तस्करी कर भोपाल से रायपुर लाए थे, और यहां स्थानीय स्तर पर इसे बेचने की योजना बना रहे थे। फिलहाल यह जांच की जा रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और गांजा की सप्लाई किस माध्यम से होती थी।

रायपुर पुलिस ने हाल के दिनों में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए ऑपरेशन निश्चय नामक विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य राजधानी और आसपास के जिलों में नशे के जाल को खत्म करना और ऐसे तस्करों के नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचना है। आईजी अमरेश मिश्रा और एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नशे के कारोबार पर कड़ी नजर रखें, मुखबिर तंत्र को सक्रिय करें और त्वरित कार्रवाई करें।

इस संयुक्त कार्रवाई में थाना पुरानी बस्ती प्रभारी निरीक्षक शील आदित्य सिंह, एसीसीयू प्रभारी निरीक्षक परेश पांडे, प्रधान आरक्षक गुरुदयाल सिंह, आरक्षक प्रशांत शुक्ला, हरजीत सिंह, अजय चौधरी, भूपेंद्र मिश्रा, सउनि जीवन पारकर, आरक्षक जितेंद्र साहू, पवन पटेल और कमलेश मंडावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस मुख्यालय ने टीम की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की है।

समाज की उन्नति और प्रगति के लिए शिक्षा ही एकमात्र मार्ग : मुख्यमंत्री साय

- समाज के लिए भवन हेतु एक करोड़ रुपये और प्रतिमा निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा
- भगवान सहस्त्रबाहु की प्रतिमा के लिए 25 लाख रुपये और कटघोरा में हाईटेक बस स्टैंड की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। समाज की उन्नति और प्रगति के लिए शिक्षा ही एकमात्र रास्ता है। हमारी सरकार स्कूल शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं को कलेक्टर, एसपी, डॉक्टर और इंजीनियर बनते देखना ही हमारी मंशा है। मुख्यमंत्री साय कोरबा जिले के कटघोरा में आयोजित सातगढ़ कंवर समाज के सामाजिक सम्मेलन एवं वीर शहीद सीताराम कंवर की पुण्यतिथि समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीर शहीद सीताराम कंवर समाज का गौरव हैं। इस अवसर पर उन्होंने रामपुर चौक में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद सीताराम कंवर की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री साय का तीर-धनुष भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में घोषणा की कि सातगढ़ कंवर समाज के सामाजिक भवन निर्माण के लिए ?1 करोड़ की राशि प्रदान की जाएगी तथा इस भवन में बाउंड्रीवाल का निर्माण भी कराया जाएगा। उन्होंने रामपुर चौक में शहीद सीताराम कंवर की नई प्रतिमा स्थापना के लिए ?10 लाख, कसनिया मोड़ में भगवान सहस्त्रबाहु की प्रतिमा स्थापना एवं प्रवेश द्वार निर्माण के लिए ?25 लाख, तथा कटघोरा में हाईटेक बस स्टैंड के निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कसनिया मोड़ में भगवान सहस्त्रबाहु चौक नामकरण, मूर्ति स्थापना, कल्चुरी स्वागत द्वार सह उद्यान निर्माण हेतु भूमिपूजन और शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कंवर समाज के सम्मेलन में उपस्थित लोगों से समाज के विकास और उत्थान के लिए अपने बच्चों को शिक्षित करने, युवाओं को नशे से दूर रहने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा के लिए उत्कृष्ट संस्थान स्थापित किए गए हैं — मेडिकल कॉलेज, एम्स, आईआईआईटी, विश्वविद्यालय और लॉ कॉलेज संचालित हो रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती महोत्सव के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ की जनता से की गई गारंटियों को पूरा करने का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। सरकार गठन के साथ ही 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए। किसानों से ?3100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख महिलाओं को प्रति माह ?1000 की आर्थिक सहायता उनके खातों में जमा की जा रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों से ?5500 प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी की जा रही है। चरण पादुका योजना पुनः प्रारंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत राज्य से प्रत्येक माह हजारों श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा सरकारी खर्च पर कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार गठन के मात्र 20 माह के भीतर ही 10 हजार से अधिक युवाओं को शासकीय नौकरी दी गई है। शीघ्र ही 5 हजार शिक्षकों और 700 से अधिक सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि नई औद्योगिक नीति को रोजगारमुखी बनाकर युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले जा रहे हैं।

कार्यक्रम में विधायक प्रेमचंद पटेल और तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कंवर, महापौर संजू देवी राजपूत, कंवर समाज के केंद्रीय अध्यक्ष छत्रपाल सिंह कंवर, सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण और कंवर समाज के सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जनभागीदारी से जल संचयन कर सुरक्षित होगा हमारा भविष्यः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल है तो कल है, और जल से ही कल संवरेगा। जल संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा, तभी हम अपने भविष्य को सुरक्षित रख पाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'सुजलाम भारत' के अंतर्गत राजधानी रायपुर स्थित ओमाया गार्डन में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने जल कलश पर जल अर्पित कर जल संचयन का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने केलो नदी का जल अर्पित कर धरती को सिंचित करने का दिया संदेश

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पृथ्वी के प्रतीक स्वरूप स्थापित कलश में केलो नदी का पवित्र जल अर्पित किया और जल संरक्षण एवं संचयन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और हमारी पावन नदियाँ धरती को सींचकर जीवनदायिनी बनाती हैं। इन्हीं नदियों से हमारी संस्कृति, सभ्यता और अस्तित्व की पहचान जुड़ी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नदियाँ — महानदी, इंद्रावती, शिवनाथ, केलो और अन्य — प्रदेश की जीवनरेखाएँ हैं। ये नदियाँ न केवल धरती को उर्वर बनाती हैं, बल्कि कृषि, उद्योग और जीवन के हर क्षेत्र को संजीवनी प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि पृथ्वी रूपी कलश में केलो नदी का जल अर्पण इस बात का प्रतीक है कि हमें जल की हर बूंद का सम्मान करना चाहिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सहेजकर रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनेक अवसरों पर जल संकट को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। जल संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता की कमी इस संकट को और गहरा कर सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में लोग अपने-अपने ढंग से जल संचयन के लिए प्रयास कर रहे हैं, और ऐसे मंचों के माध्यम से सभी अपने अनुभव साझा कर पाएंगे, जो अंततः नीति निर्माण में भी निर्णायक सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने राजनांदगांव प्रवास का उल्लेख करते हुए बताया कि एक महिला सरपंच ने स्वप्रेरणा से सूख चुके हैंडपंपों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया। उनके इस अभिनव प्रयास की सराहना केंद्र सरकार द्वारा भी की गई और इस पुनीत पहल को आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे उदाहरण हमें प्रेरित करते हैं। हम सभी को मिलकर जल संरक्षण को एक जन आंदोलन का स्वरूप देना होगा, ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित रह सके। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी से प्राप्त होने वाले सुझाव और इनपुट आगामी कार्ययोजनाओं के निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री साय ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल संरक्षण के इस संकल्प को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, ताकि छत्तीसगढ़ की धरती सदैव हरियाली और समृद्धि से लहलहाती रहे। जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम की संकल्पना की गई है। विभिन्न विभागों को एक-एक थीम पर संगोष्ठी आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत जलशक्ति मंत्रालय द्वारा जल संचयन विषय पर इस संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज लगभग 300 से अधिक लोगों ने, जो जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत हैं, अपना पंजीयन कराया है। जल संरक्षण को सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा है। पिछले एक वर्ष में जिलों के कलेक्टरों और संबंधित विभागों ने जल संचयन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। अब तक साढ़े तीन लाख संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप भू-जल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

कार्यक्रम में पद्मश्री फूलबासन बाई यादव, नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

नारायणपुर-अबूझमाड़ को महाराष्ट्र से जोड़ेगा नेशनल हाईवे 130-डी

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने के लिए सरकार सतत प्रयासरतः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 130-डी के निर्माण को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ शासन ने कुतुल से नीलांगुर (महाराष्ट्र सीमा) तक 21.5 किलोमीटर हिस्से के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस सड़क के निर्माण के लिए न्यूनतम टेंडर देने वाले ठेकेदार से अनुबंध की प्रक्रिया शर्तों सहित पूरी करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग मंत्रालय द्वारा प्रमुख अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र रायपुर को दिए गए हैं। कुल तीन खंडों में निर्मित होने वाले 21.5 किलोमीटर सड़क के निर्माण हेतु लगभग 152 करोड़ रुपए न्यूनतम टेंडर दर प्राप्त हुई है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

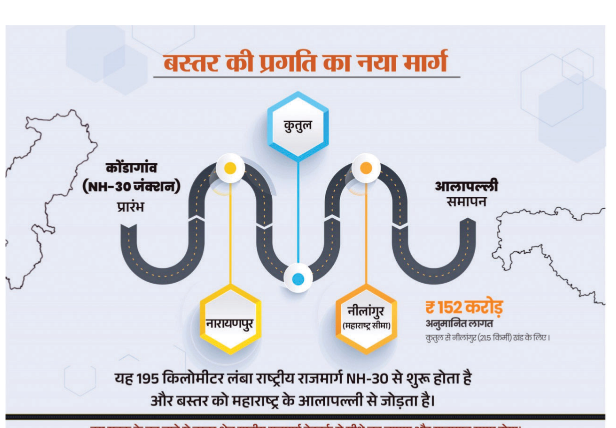

यह उल्लेखनीय है कि कुतुल, नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में स्थित है और कुतुल से महाराष्ट्र सीमा पर स्थित नीलांगुर की दूरी 21.5 किलोमीटर है। यह नेशनल हाईवे 130-डी का हिस्सा है। इस सड़क का निर्माण टू-लेन पेव्ड शोल्डर सहित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि एनएच-130डी राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 195 किलोमीटर है। यह एनएच-30 का शाखा मार्ग (स्पर रूट) है। यह कोण्डागांव से शुरू होकर नारायणपुर, कुतुल होते हुए नीलांगुर (महाराष्ट्र सीमा) तक जाता है। आगे महाराष्ट्र में यह बिंगुंडा, लहरे, धोदराज, भमरगढ़, हेमा, लकासा होते हुए आलापल्ली तक पहुँचता है, जहाँ यह एनएच-353डी से जुड़ जाता है। इस मार्ग के विकसित होने से बस्तर क्षेत्र सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ जाएगा और व्यापार, पर्यटन एवं सुरक्षा को बड़ी मजबूती प्राप्त होगी।

नेशनल हाईवे 130-डी का कोण्डागांव से नारायणपुर तक का लगभग 50 किमी हिस्सा निर्माणाधीन है। नारायणपुर से कुतुल की दूरी 50 किमी है और वहाँ से महाराष्ट्र सीमा स्थित नीलांगुर तक 21.5 किमी की दूरी है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई 195 किमी है, जिसमें से लगभग 122 किमी का हिस्सा कोण्डागांव-नारायणपुर से कुतुल होते हुए नीलांगुर तक छत्तीसगढ़ राज्य में आता है। इस सड़क के बन जाने से बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से सीधा और मजबूत सड़क संपर्क मिलेगा तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा सुलभ हो सकेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से इस नेशनल हाईवे के अबूझमाड़ इलाके में स्थित हिस्से के लिए फॉरेस्ट क्लियरेंस और निर्माण की अनुमति प्राप्त हुई, जिससे इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माण का रास्ता खुल गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग 130-डी केवल सड़क नहीं बल्कि बस्तर अंचल की प्रगति का मार्ग है। हमारी सरकार ने इस परियोजना को तेजी देने के लिए लगातार प्रयास किए हैं।

इस सड़क से बस्तर के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह सड़क न केवल छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को जोड़ेगी, बल्कि बस्तर अंचल के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने के लिए यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी।

– **मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय**

दिल्ली पहुंचा कोरिया का स्वाद : देश की राजधानी में कोरिया के 'अमृत मोदक' और 'अमृत अचार' का भारी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित सरस मेला 2025 में कोरिया जिले के 'अमृत मोदक' और 'कोरिया अमृत अचार' की स्वाद देश की राजधानी में विशेष पहचान बना ली है। गौरतलब है कि कोरिया जिले के स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के उत्पादों की सरस मेला में काफी चर्चा है। अमृत मोदक' और 'कोरिया अमृत अचार' की खुशबू आगन्तुकों का दिल जीत लिया हैं।

सरस मेले में जिले के दो स्व-सहायता समूहों ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। ज्योति महिला स्व-सहायता समूह ने 200 किलोग्राम से अधिक कोरिया अमृत मोदक की बिक्री कर 88 हजार रुपए की आय अर्जित की तथा जागृति महिला स्व-सहायता समूह ने 260 किलोग्राम अचार तथा 36 किलोग्राम पापड़-बड़ी का विक्रय कर एक लाख रुपए से अधिक की आय प्राप्त की।

मेले में उपस्थित विभिन्न विक्रेताओं, खरीदारों और पर्यटकों ने कोरिया जिले के उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद की सराहना करते हुए भविष्य में ऑर्डर देने की इच्छा भी जताई। जिले की स्व-सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक विधियों से तैयार किए गए उत्पादों को राष्ट्रीय मंच तक पहुँचा रही हैं, जिससे महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है।

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि जिले की स्व-सहायता समूहों में काम करने वाली महिलाओं की आर्थिक निर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। हमारा उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के पारिवारिक और शैक्षणिक वातावरण को भी सशक्त बनाना है।

छत्तीसगढ़ के चहुंमुखी विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

बेमेतरा जिले को 140.96 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात, सिंघोरा में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र, अमोरा में शिवनाथ नदी पर बैराज निर्माण और बसनी में मिडिल स्कूल की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बेमेतरा जिले के लिए कुल 140.96 करोड़ के 47 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 27 कार्यों का भूमिपूजन और 20 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए, राज्य सरकार चहुंमुखी और समावेशी विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि शासन का लक्ष्य प्रदेश में विकास कार्यों को तेजी और पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और संकल्पबद्धता के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और नगरीय सुविधाओं के क्षेत्र में तीव्र गति से कार्य किए जा रहे हैं, जिनसे जनता को सीधा लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम अमोरा में शिवनाथ नदी पर बैराज निर्माण, सिंघोरा में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना, तथा ग्राम बसनी में मिडिल स्कूल प्रारंभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, हमने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को अल्प समय में ही पूरा कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में 3100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। किसानों को दो वर्षों का बकाया बोनस प्रदान किया गया है और 18 लाख आवासहीन परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल रहा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रति माह ?1000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों से ?5500 प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब, किसान और महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर कार्य कर रही है। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली का संचालन कर रही है, जिससे कोई भी परिवार भूखा न रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता से किए गए वादों को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि बेमेतरा जैसे ग्रामीण जिलों में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, जिनसे आमजन को राहत और बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। कार्यक्रम को विधायक दीपेश साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, सांस्कृतिक मंत्री राजेश अग्रवाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब,प्रहलाद रजक, विधायक ईश्वर साहू और भावना बोहरा, अवधेश चंदेल, लाभचंद बाफना, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950